ज्ञान विचार

वे इतिहास नहीं बना सकते जो इतिहास को भूल जाते हैं : डॉ अंबेडकर

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 फरवरी 2023 वर्ष : 5, अंक : 20 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

संत शिरोमणी जगत गुरु रविदास जी महाराज के 646वें प्रकाश पर्व पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसमूह

गुरु रविदास जी ने पाखंडवाद छोड़ शिक्षित होने का संदेश दिया : एन.आर फुले

गुरु रविदास जी महाराज की वाणी का आचरण करें : डॉ आर.आर फुले

महिलाओं को जागृति किया : प्रो. निर्मला चौधरी

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरूक्षेत्र, झज्जर (हरियाणा) के डिप्टी कमिश्नर (जीएसटी)एनआर फुले ने कहा के गुरु रविदास महाराज जी का जन्म ऐसे समय में हुआ, जब संसार जात- पात, पाखंडवाद, विषमता, मूर्ति पूजा, छुआछूत जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। गुरु रविदास जी ने डटकर इन विषमताओं का सामना किया। गुरु रविदास जी के समय को भक्ति काल कहा जाता है जिसमे नामदेव, कबीर, बुल्ले शाह जी जैसे संत हुए। उन सबके अपने-अपने विचार थे। गुरु रविदास जी दलित समाज चमार जाति से संबंध थे और भी इन जात पात की बेडीयों को तोडऩा चाहते थे। गुरु रविदास जी सत्संग कर लोगों को जागरूक करते हुए पाखंडवाद से निकल कर शिक्षित होने के लिए कहते थे। उन्होंने बेगमपुरा शहर की परिकल्पना की थी। जिसका अर्थ है ऐसा शहर जहां कोई गम ना हो, सबको समान अधिकार हो, आपस में प्यार प्रेम भाव हो बहुत से विद्वानों ने उनको महान विचारक कहा। फुले ने यह शब्द कुरुक्षेत्र स्थित गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में सभा द्वारा आयोजित गुरु रविदास जी के 646वें प्रकाशोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहे।

उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी को हिंदी, संस्कृत, अवधि, पंजाबी भाषा का ज्ञान था। गुरु रविदास जी ने पंजाबी की गुरुमुखी लिपि रचना की थी। गुरु रविदास महाराज जी के 40 शब्द एक श्लोक गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज हैं। गुरु रविदास जी कहते हैं कि फल की इच्छा भी करो, इससे ही आत्मविश्वास पैदा होगा। उन्होंने कर्म करने पर जोर दिया और श्रम करने को महत्व दिया। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने एक ईंट, एक रुपया की मुहिम चलाई जिससे हर बनिया परिवार को सहयोग हो सके वो समाज आज संपन्न है। उन्होंने कहा की हमें आज भी बराबरी का हक नहीं मिला, जबकि भारतीय संविधान में इसका प्रावधान किया गया है। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी ने गुरु रविदास जी के पद चिन्हों पर चलते हुए शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो का नारा दिया।

गुरु रविदास जी महाराज की वाणी का आचरण करें, पढ़ें और समझने की करें कोशिश : फुलिया

सेवानिवृत अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं आईएएस डॉ आर आर फुलिया ने कहा की हमारे समाज की सबसे बड़ी भूल है कि हम पढ़ लिख गए, लेकिन गुरु रविदास जी को न तो पढ़ा और न समझा। मैं यही कहना चाहता हूं कि गुरु रविदास जी महाराज की वाणी का आचरण करें, पढ़ें और समझने की कोशिश करें। गुरु रविदास जी ऐसे महान कवि हैं जिन्होंने अपने जीवन में जैसे अनुभव किया उसे कविता के माध्यम से अपनी वाणी के जरिए हम सबके समक्ष रखा। उनकी भक्ति चिंतन, साहित्य उनकी वाणी में है। जब ब्राह्मणवाद का जोर था उन्हें उस समय संत शिरोमणि की उपाधि मिली, जो पंडित चार वेदों के ज्ञाता थे उन्होंने भी गुरु रविदास जी के समक्ष सिर झुका कर नमन किया। मीराबाई जी ने भी गुरु रविदास जी को अपने गुरु के रूप में चुना। गुरु रविदास जी ने भी महात्मा बुद्ध के विचारों की तरह समानता, पाखंडवाद, भेदभाव को कम करने पर जोर दिया। गुरु रविदास जी ने भगवान बुद्ध के दिए उपदेश को अपने जीवन में इस तरीके से डाला, जो उनके व्यक्तित्व में दिखाई भी देती है। गुरु रविदास जी के आगे बड़े-बड़े विद्वान हार मान गए। सतगुरु रविदास जी ने कहा कि हमें अपने कर्मों पर ध्यान देना है, आपने आचार,विचार और व्यवहार ध्यान रखना चाहिए। गुरुजी ने वाणी में कहा रैदास एक ही बूंद के उपजियो सब संसार, ऊंच-नीच इस विद भयो ब्राह्मण और चमार' महाराज जी कहते हैं कि एक ही बूंद से सब संसार उपजा है तो किस विधि से कोई ब्राह्मण और चमार बना। वेद पढ़ पंडित भयो पनहि गांठी चमार, रैदास मानस एक है नाम धराऊ चार' रैदास ब्राह्मण मत पुजिए जो होवे गुण हीन पूजिए चरण चांडाल के जो होवे गुण परवीन वेद पुराण तजो मन चारों चाहू सुखचैन रैदास साकत प्रेम को प्रेम ही सींचो नैन में रुखी सुखी खाऊं औरन की भूख मिटाऊं,कोई परे नहि दुख का पासा सबै सुखी रहे रविदासा रैदास सोई साधु भलो जोई जाने पर पीर, पर पीर को देखकर रहे रैदास अधीन। आदि गुरु रविदास जी के श्लोक सुनाकर उनके अर्थ समझाए।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (यू.एस.एम.) की चेयरमैन प्रोफेसर निर्मला चौधरी ने गुरु रविदास के जीवन को लेकर विचार रखते हुए बताया कि किस तरीके से उन्होंने उस समय समाज में फैली बुराइयों को शिक्षाओं के माध्यम से दूर किया। विशेषकर महिलाओं में जागृति लाने के लिए भी काम किया। पूर्व मंत्री एम एल रंगा ने भी गुरु रविदास जयंती पर लोगों को बधाई दी और उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सूरजभान नरवाल ने जयंती में आए अतिथियों का स्वागत किया और मंदिर में चल रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने समाज के लोगों को आह्वान किया कि वे मंदिर में चल रहे कार्यों में आर्थिक सहयोग दें। रागी प्रीत रविदासिया ने सुंदर भजन व शब्द के माध्यम से जयंती कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया। मंच संचालन ओमप्रकाश सिरोहा ने किया।

बॉक्स

मुख्यातिथि एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

इस मौके पर मंदिर कमेटी की ओर से मुख्यातिथि व अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आज दिन भर मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और उन्होंने मंदिर में गुरु रविदास के समक्ष शीश नवाकर मन्नतें मांगी।

शोभायात्रा का शहर में जगह-जगह किया स्वागत

बता दें मंदिर सभा द्वारा पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष में तीन दिन कार्यक्रमों का आयोजन किया जो 3 फरवरी को महिलाओं को मंच देकर सम्मान दिया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन डॉ निर्मला चौधरी, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ सुनीता सरोहा, बिमला सराहा थी। 4 फरवरी को दूसरे दिन विशाल शोभा यात्रा निकाली गई जिसको मुख्यातिथि हरियाणा जेल के पूर्व आईजी डॉ हरीश कुमार, सेवानिवृत आईएएस एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से प्रोफेसर डॉ फकीर चन्द ने झंडी देकर रवाना किया जिसमे भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शोभायात्रा का शहर में जगह जगह पर स्वागत किया गया।

गुरु रविदास जी मंदिर में महीने के हर दूसरे रविवार को सजता है कीर्तन दरबार

गुरु रविदास जी मंदिर में महीने के हर दूसरे रविवार को कीर्तन दरबार सजता हैं। जिसमे धर्म प्रचारक प्रीत रविदासिया टोहाना वाले द्वारा गुरु जी की बाणी का प्रचार प्रसार करते हैं

इस मौके पर केडीबी सदस्य केसी रंगा, रजिस्ट्रार सुरेश कुमार, मंदिर कमेटी के उप प्रधान रामलाल मेहरा, कोषाध्यक्ष रामस्वरूप, सचिव ओमप्रकाश, कार्यकारिणी सदस्य नरेश रंगा, तरसेम लोहारा, जोगिंद्रो देवी, राधा आल्यान, चमेल सिंह, सुखबीर, दर्शन लाल बांगड़, सतबीर कैत, डॉ. जीत सिंह शेर, राजेश ढांडा, देवी चंद, रोशन लाल, दीपक कमोदा, रवि गोली, धर्म सिंह क्रांति, वीना रंगा बारना, नीलम बड़ोदा, रीटा सोलखे, राजेंद्र कुमार, वीरेंद्र रॉय आदि मौजूद रहे।

स्त्री विमर्श के अनुरूप बने दुनिया

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 'विकास' और 'प्रगति' के साथ स्त्रियों के प्रति अपराध में सात फीसद से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। यहां भी विशेषण महत्वपूर्ण हो जाते हैं, दलित स्त्रियों से बलात्कार के मामलों में केवल दो फीसद अपराधियों को दंड मिलता है, जबकि अन्य में यह 25 फीसद है। दुनिया जब स्त्री विमर्श के अनुरूप रची जाएगी तो समतामूलक होगी, भेदभाव से मुक्त मानवीय होगी।

विशेषण आज संज्ञा पर हावी हो चले हैं। दलित, अल्पसंख्यक, अश्वेत, पढ़ी-लिखी, कटे बालों वाली या हमजिंसी जैसे शब्द स्त्री और स्त्री विमर्श को परिभाषित करने लगे हैं। ये तमाम विभाजनकारी और गैर-बराबरी के विशेषण पुरुषों द्वारा पुरुषों की दुनिया के लिए रचे गए, परंतु स्त्री और स्त्री जीवन की सीमाओं को गढ़ने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। स्त्रियां इन दमनकारी पाटों में सबसे ज्यादा पीसी जाती हैं। स्त्री सशक्तिकरण की मुहिम भी स्त्री के लिए न होकर राष्ट्र या समाज की प्रगति के लिए ज्यादा चिंतित हो जाती है। स्त्री के पढ़ने को परिवार, समाज और देश के लिए आवश्यक करार दिया जाता है। शायद परिवार या देश की चिंता न हो तो स्त्री का पढ़ना अभी भी किरकिरी का ही मामला है। स्वतंत्र स्त्री या भिन्न सोचने वाली स्त्री अभी भी हमारे समाज में नाभिकीय अस्त्र के मुकाबले अधिक खतरनाक मानी जाती है। सिमोन दा बुवार का यह कथन कि 'स्त्रियां पैदा नहीं होतीं, बल्कि गढ़ी जाती हैं', उस विद्रूप को इंगित करता है जहां जनाना क्या है, यह तय करने का विशेषाधिकार पुरुष के पास है।

स्त्रियों के प्रति हिंसा अब सांख्यिकी के दस्तावेज बन कर रह गई है। प्रतिक्षण कोई न कोई स्त्री हिंसा का शिकार होती है, चाहे वह गर्भ में हो, गोद में हो, घर में, दफ्तर में, अस्पताल में, वयोवृद्ध हो, कामगार या फिर गृहणी। मानसिक, शारीरिक और यौन हिंसा से अभिशप्त स्त्री अब भी किसी अंबेडकर की बाट जोह रही है। आधे आसामान और आधी धरती के मालिकान का हक और सपना उस हकीकत से लांछित है जहां दुनिया भर में तीन में से एक स्त्री यौन हिंसा का शिकार है। भारतीय स्त्री की दशा और भी दयनीय है जहां हर घंटे औसतन चार स्त्रियां बलात्कार का शिकार हो रही हैं। इनमें अगर दहेज, मानसिक प्रताड़ना, घरेलू हिंसा और कन्या भ्रूण हत्या के मामले जोड़ दिए जाएं, तो 62 प्रतिशत स्त्रियां सांस्थानिक पितृसत्ता के चलते त्रस्त हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 'विकास' और 'प्रगति' के साथ स्त्रियों के प्रति अपराध में सात प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है।

यहां भी विशेषण महत्वपूर्ण हो जाते हैं, दलित स्त्रियों से बलात्कार के मामलों में केवल दो प्रतिशत अपराधियों को दंड मिलता है, जबकि अन्य में यह 25 प्रतिशत है। यह उन आंकड़ों का हवाला है जो रिकार्ड हुए, अन्यथा यह लिंग आधारित हिंसा की उस विकराल समस्या के संकेतक मात्र है, जिसमें लोक-लाज के कारण माना जाता है कि निन्यानवे प्रतिशत मामले दर्ज ही नहीं होते। यह हिंसा केवल पुरुष और स्त्री के जैविक स्तर पर भिन्न होने का द्वंद्व न होकर एक सांस्कृतिक विरंचना है, जिसके अनुसार स्त्रियां आंगन में और गाय खूंटे में ही सुरक्षित है। यह सार्वजनिक 'देशकाल' में स्त्री की स्वतंत्रता को हस्तक्षेप मानने जैसा है। स्त्री को आर्थिक रूप से उत्पादनशील न समझना और न बनने देने का प्रयास है। स्वतंत्र और सशक्त स्त्री पुरुषों की दुनिया में दखल मात्र है, सहनीय नहीं है, इसलिए दंडनीय है ताकि उसे अपना स्थान पता रहे। धर्मगत विषयों में भी स्त्री को कोई निर्णय करने संबंधी अधिकार नहीं है।

हालांकि सारे धार्मिक मूल्यों की संवाहक स्त्री ही है। सारे व्रत, तीज, त्योहार, रस्मो-रिवाज उसे ही निभाने हैं, परंतु धर्म स्थलों में प्रवेश और अंतिम संस्कार को लेकर वर्जनाएं हैं। दुनिया के प्रत्येक धर्म में स्त्री को दोयम दर्जे का ही माना गया है। लगभग सभी धर्मों में इस दुनिया के बनने के चरणबद्ध क्रम में स्त्री हर कथोपकथा में हमेशा दूसरे नंबर पर है। जैविक विकास के क्रम में पहले पुरुष आया या स्त्री, यह एक बेमानी सवाल है क्योंकि यहां पहले आना बेहतरी का सूचक नहीं है। इस क्रम में मानव जाति का प्रादुर्भाव समझा जाता है कि पुरुष और स्त्री एक ही साथ बने होंगे तो हर संदर्भ और प्रसंग में स्त्री का पिछड़ जाना सामाजिक वर्चस्व और संघर्ष की ही गाथा रही होगी। स्त्री को प्रत्येक काल खंड में बंधक रखने और बंधन में रहने के लिए धर्म सम्मत शास्त्र रचे गए, परंपराएं बनाई गईं और संबंधों के परिमाण में शील और कर्तव्य के दायरे रचे गए। आदर्श स्त्री की परिकल्पना चाहे वैदिक युगीन हो अथवा उत्तर-आधुनिक, हमेशा ही पुरुषवादी समाज के लिए बुनी गई।

आधुनिक नव-उदारवादी अर्थव्यवस्था व सांस्कृतिक मूल्यों ने भी स्त्रीत्व को देह धरे का दंड ही माना। इसके लिए फिर उसने विश्व सुंदरी प्रतियोगिताएं आयोजित कीं और स्त्री केंद्रित साहित्य और सिनेमा को आलोचकों से अनुशंसा तो दिलाई, पर उसे 'मुख्यधारा' से परे ही रखा। विज्ञापनों की दुनिया में भी स्त्री केंद्र में रही। स्त्री के लिए उपयोगकारी वस्तुओं के विज्ञापनों में भी स्त्री मात्र देह की तरह दर्शायी जाती है। ऐसे समय में स्त्री की मुक्ति-गाथा और स्त्री विशुद्ध स्त्री बने की परिकल्पना बड़ी जीवटता का मामला है। द्वंद्व स्त्री एकता को लेकर इस समाज को और विखंडित करते हैं। दुनिया भर की स्त्रियां एक हों अथवा स्त्रियों दुनिया को एक करो-जैसे नारे अभी भी बड़ी चतुराई से विभाजित कर दिए जाते हैं। आतंकवादी और सिपाही की मां होने के सौंदर्यबोध रचे जाते हैं, पुरुषों की दुनिया की लड़ाई का जिम्मेदार स्त्री को बताया जाता है।

दलित, अश्वेत, अल्पसंख्यक स्त्रियों के भिन्न अधिकार और कर्तव्य बुने जाते हैं। इन विभाजनों को भले ही स्त्री ने जन्म न दिया हो, इन्हें पोसने और संरक्षण की जिम्मेदारी भी स्त्री की ही है। स्त्री के वीरांगना होने का प्रमुख प्रमाण उसके द्वारा वीर पुत्रों को जन्म देना ही है। गांधारी और कुंती के चरित्र चित्रण उनके द्वारा जन्मे पुत्रों के आधार पर ही होना तय है। किसकी बेटी, किसकी बहन से लेकर किसकी स्त्री या किसकी मां, यही स्त्री जीवन की समीक्षा की कसौटी है। इन संरचनाओं के विरुद्ध जाकर जिन स्त्रियों ने पुरुषों की दुनिया में दखल दिया, अधिकतर को पुरुषों ने खलनायिका समझा या नजर अंदाज किया या अपवाद ही समझा। इसके बावजूद स्त्री ने अपनी संघर्ष यात्रा को जारी रखा।

संयुक्त अरब अमीरात की सरा-अल-अमीरी ऐसी ही मिसाल हैं जो इस मुल्क की उन्नत प्रौद्योगिकी मंत्री भी हैं और जिन्होंने उस पूरी परियोजना का नेतृत्व भी किया जिसने हाल में मंगल ग्रह पर एक उपग्रह को सफलतापूर्वक पहुंचाया था। जिस वैज्ञानिक समूह ने यह सफलता हासिल की, उसमें अस्सी प्रतिशत स्त्रियां ही हैं। यह समूह अल्पसंख्यक स्त्रियों से संबंधित सभी पूर्वाग्रह खंडित करता हुआ उम्मीद की नई बानगी है। इसी तरह पैट्रिस कुलर्स, एलिसिया गार्जा और ओपल तोमेती केवल स्त्री, अश्वेत और हमजिंसीयत के संदर्भ में ही मुखर नहीं हैं, बल्कि गैर-बराबरी और रंगभेदस जिसकी जड़ें वस्तुतः पितृसत्ता में ही मिलती हैं, को चुनौती देने के लिए 'ब्लैक लाइव्स मैटर' जैसे आंदोलनरूपी संगठन की स्थापना करती है। भारतीय स्त्री ने भी जिजीविषा और सम्मानपूर्वक जीवन के लिए याचना न कर, रण का रास्ता चुना। भंवरी देवी से लेकर निर्भया तक सबने अपनी सांस टूटने तक खुद को टूटने से रोका। अनगिनत गाथाएं भारतीय मानस पटल से लेकर अखबारों तक अपने स्त्री और स्त्रीत्व के गौरव का बखान करती हैं।

जरनैल रंगा

कांग्रेस ने कश्मीर में विकास और रोजगार दिया होता तो वहां के युवा हथियार न उठाते : गृह मंत्री अनिल विज

पंजाब के मुख्यमंत्री की पत्नी की सुरक्षा में 40 सुरक्षाकर्मियों के लगने पर मंत्री अनिल ने तंज कसते हुए कहा 'इससे पता चलता है कि आज पंजाब में कानून व्यवस्था क्या है'

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़, हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस ने कश्मीर में विकास किया होता या युवाओं को रोजगार दिया होता तो वहां के युवा हथियार न उठाते।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री विज ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कहा कि राहुल गांधी को नहीं पता कि कश्मीर में क्या चाहिए। उन्होंने कहा कि कश्मीर को विकास चाहिए और भाजपा सरकार कश्मीर में विकास कर रही है, जब भी कही विकास होता है तो छोटी-मोटी टूट-फूट होती ही है।

गृह मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस ने शुरू में ही विकास किया होता, कश्मीर में रोजगार दिया होता तो वहां के युवा हथियार न उठाते। राहुल गांधी को नसीहत देते हुए मंत्री विज ने कहा कि अब उनकी सरकार यह सब कर रही है, बेहतर यही है कि राहुल गांधी ब्यानबाजी करने की बजाए वहां हो रहे कामों को देखे।

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने एक बयान मे कहा है कि कश्मीर के लोगों ने रोजगार व प्यार चाहा था लेकिन उन्हें भाजपा का बुलडोजर मिला है।

किसानों को जितना फायदा अब मिला उतना पिछले 70 सालों में नहीं मिला : अनिल विज

गृह मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता रणदीप

सुरजेवाला के किसानों पर दिए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जितना फायदा किसानों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के समय में अब मिला है उतना पिछले 70 सालों में नहीं मिला और एमएसपी और मुआवजे में भी किसानों को लाभ दिया गया है।

श्री विज ने कहा कि पहले तो दो-दो रुपये के चेक आते थे, हमने खुद देखा है। उन्होंने कहा भाजपा सरकार एमएसपी के साथ साथ मुआवजा अच्छा दे रही है।

वहीं, गृह मंत्री अनिल विज ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान कि पत्नी की सुरक्षा में लगभग 40 सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाने पर तंज कसते हुए कहा कि 'इससे पता चलता है कि आज पंजाब कि लॉ एंड आर्डर की क्या हालत है, इन्होने पंजाब के क्या हालत कर दिए कि एक की सुरक्षा में 40 सुरक्षाकर्मी लगाने पड़ रहे है'।

हरियाणा में बढ़ते कैंसर के मरीजों को देखते हुए कैंसर के कारणों का पता लगाने के लिए एक अध्ययन करवाया जाएगा : स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़, हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में बढ़ते कैंसर के मरीजों को देखते हुए एक अध्ययन करवाया जाएगा कि किस कारण से कैंसर के मरीज दिनों दिन बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अध्ययन को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ से करवाने के लिए जल्द ही एक पत्र स्वास्थ्य विभाग द्वारा लिखा जाएगा। श्री विज आज यहां स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में बढ़ते कैंसर के मरीजों के मामलों को देखते हुए पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की टीम द्वारा अध्ययन करवाया जाएगा ताकि वह अध्ययन करके इन मरीजों के बढ़ने का कारण को बता सकें। उन्होंने बताया कि इस अध्ययन की रिपोर्ट आने के बाद मुख्य कारणों को मद्देनजर रखते हुए राज्य के निवासियों को जागरूक भी किया जायेगा।

श्री विज ने बताया कि आज उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को इस संबंध में एक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए है ताकि अध्ययन के पश्चात हमें यह पता चल सके कि कैंसर के मरीज किन कारणों से बढ़ रहे है। उन्होंने बताया कि कैंसर के अध्ययन में सभी घटकों जैसे कि फर्टिलाइजर के उपयोग, पर्यावरण बदलाव, लोगों के खानपान का असर, जीवन शैली में बदलाव, व्यायाम न करने इत्यादि के बारे में अध्ययन होगा ताकि बढ़ रहे कैंसर रोग की रोकथाम की जा सके और लोगों से अपील भी की जा सके कि अमुक में बदलाव करें।

इसके अलावा, बैठक में अटल कैंसर केयर सेंटर, अंबाला के संबंध में भी चर्चा और विचार विमर्श किया गया बैठक में स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ जी. अनुपमा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

विश्व रेडियो दिवस पर उपायुक्त ने दी लोगों को बधाई

शांति निर्माण के लिए स्वतंत्र रेडियो आज भी सशक्त एवं महत्वपूर्ण माध्यम

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, उपायुक्त सुशील सारवान ने विश्व रेडियो दिवस पर लोगों को बधाई देते हुए कहा कि कि आज का दिन खास तौर पर रेडियों के श्रौताओं के लिए विशेष महत्त्व रखता है। यह माध्यम आज भी दुनिया क तेज संचार के माध्यमों में से एक है। रेडियो का जादू हर दौर में छाया रहेगा इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। चाहे सरकारी कार्यक्रम हो या फिर क्षेत्र समाचार सभी को पहुंचाने में रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उपायुक्त सुशील सारवान ने कहा कि रेडियो दिवस को मनाने का उद्देश्य युवाओं को रेडियो की आवश्यकता और उसके महत्व के प्रति जागरूक करना भी है। भले ही यह सदियों पुराना माध्यम माना जाता हो लेकिन संचार के लिए इसका इस्तेमाल आज भी बेखुबी हो रहा है। सूचना प्रदान करने के लिए सबसे शक्तिशाली और सस्ते माध्यम के तौर पर रेडियो का नाम आता है।

उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि यह एक ऐसी सेवा है जो देश दुनिया में सूचना का आदान प्रदान करता है। आपात या आपातकालीन स्थिति में इस माध्यम का महत्व और भी बढ़ जाता है। जनता और मीडिया के बीच जागरूकता बढ़ाने और संघर्ष की रोकथाम और शांति निर्माण के लिए स्वतंत्र रेडियो सशक्त एवं महत्वपूर्ण माध्यम है।

उपायुक्त सुशील सारवान ने रेडियो के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज रेडियो की अनूठी शक्ति को याद करने का भी दिन है जो दुनिया के हर कोने से लोगों को एक साथ लाता है। उन्होंने कहा कि रेडियों के इस माध्यम से आज भी बड़ी संख्या में लोग जुड़े हैं जिनके लिए पल –पल की जानकारी पाने का रेडियों ही एकमात्र जरिया है।

उपायुक्त सुशील सारवान ने कहा कि एक जन माध्यम के रूप में रेडियो लगभग एक सदी से दुनिया में सार्वजनिक जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भी रेडियों के साथ बहुत से श्रोता जुड़ें हैं। यह माध्यम एक प्रकार से लोगों की रीढ है। उपायुक्त सुशील सारवान ने कहा कि देश दुनिया की नवीनतम जानकारियों उपलब्ध कराने का कार्य बेखुबी करने वाले इस माध्यम की आज भी उतनी ही प्रासंगिता है जितनी की एक सदी पूर्व हुआ करती थी।

जिला पुलिस की नशा तस्करों पर बड़ी कारवाई नशीला पदार्थ रखने के आरोप में दो गिरफ्तार

करीब 09 लाख रुपये कीमत का 115 किलोग्राम चूरापोस्त व 03 किलोग्राम अफीम की बरामद

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला पुलिस कुरुक्षेत्र ने नशा तस्करों बड़ी कारवाई करते हुए नशीला पदार्थ रखने के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार । पुलिस अधीक्षक श्री सुरेन्द्र सिंह भोरिया के निर्देशानुसार नशीला पदार्थ तस्करों पर शिकंजा कसते हुए एंटी नारकोटिक सैल ने नशीला पदार्थ रखने के आरोप में हरविन्द्र सिहं पुत्र मनजीत सिहं वासी खन्ना जिला लुधियाना व कुलविन्द्र सिहं पुत्र रुड सिहं वासी उदलपुर पंजाब को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से करीब 09 लाख रुपये कीमत का नशीला पदार्थ 115 किलोग्राम चूरापोस्त व 03 किलोग्राम अफीम बरामद करने में सफलता हासिल की है ।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता नरेश कुमार सागवाल ने बताया कि दिनांक 12 फरवरी 2023 को एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी निरीक्षक मंदीप सिंह के मार्ग निर्देश में सहायक उप निरीक्षक गुरदेव सिहं, हवलदार सतीश कुमार, बलदेव सिंह, नसीब सिहं, सिपाही संजीव कुमार व गाड़ी चालक हवलदार मन्दीप कुमार की टीम अपराध तलाश के सम्बन्ध में पीपली चौक पर मौजूद थी । पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि गाडी न0 PB10FF-8499 जिसका चालक हरविन्द्र सिहं पुत्र मनजीत सिहं वासी खन्ना जिला लुधियाना वा ट्रक का परिचालक (हैल्पर) कुलविन्द्र सिहं पुत्र रुड सिहं वासी उदलपुर पंजाब अपनी गाडी में लुधियाना पजाबं से झारखण्ड, कलकता वगैरा माल लोड करके जातें हैं और वापसी मे पश्चिम बगालं व झारखन्ड से सामान के साथ डोडा/चूरापोस्त व अफीम लाकर बेचने का काम करते है । आज भी वह अपनी गाडी न0 PB10FF-8499 मे पश्चिम बगालं व झारखन्ड से डोडा/चूरापोस्त व अफीम लेकर आ रहे है । यदि उमरी फ्लाई ओवर से पहले करनाल की तरफ नाका बन्दी की जाये तो हरविन्द्र सिंह व कुलविन्द्र सिहं को गाडी सहित काबू करके तलाशी ली जाये तो गाडी से भारी मात्रा में डोडा/चूरापोस्त व अफीम बरामद हो सकती है।

पुलिस टीम ने एनएच-44 पर उमरी के पास नाकाबंदी करके चैकिंग शुरु कर दी । थोडी देर बाद पुलिस टीम को मिली सूचना अनुसार सामने से एक गाड़ी आटी दिखाई दी । जिसको शक के आधार रोककर ड्राईवर सीट बैठे व्यक्ति का नामपता पूछने पर उसने अपना नाम हरविन्द्र सिहं पुत्र मनजीत सिहं वासी खन्ना जिला लुधियाना व दूसरे ने अपना नाम कुलविन्द्र सिहं पुत्र रुड सिहं वासी उदलपुर पंजाब बताया । मौका पर राजपत्रित अधिकारी राम दत्त नैन डीएसपी कुरुक्षेत्र को बुलाया गया । राजपत्रित अधिकारी के सामने उनकी तथा ट्रक की तलाशी लेने पर ट्रक से 115 किलोग्राम चूरापोस्त व 03 किलोग्राम अफीम बरामद हुई । आरोपियों के विरुद्ध थाना सदर थानेसर में नशीली वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया । एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी निरीक्षक मंदीप सिंह ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में इस नशीले पदार्थ की कीमत करीब 09 लाख रुपये है । आरोपियों को माननीय अदालत में पेश किया गया ।

आधार कार्ड अपडेट करवाने को लेकर दिया प्रशिक्षण

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, आधार कार्ड अपडेट कराने को लेकर जिला सचिवालय के सभागार मे सम्बधित अधिकारियों को एक कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी एवं निदेशक, आई. टी. विनय गुलाटी ने बताया कि जिन्होने 10 वर्ष से अपने आधार को अपडेट नहीं करवाया है, उसे कैसे अपडेट कराना है। उन्होने चेताया कि समय रहते अगर आधार को अपडेट नहीं कराया गया तो आधार निरस्त होने की स्थिति मे अनेक परेशानियों का सामना करता पड़ सकता है। आधार केंद्र पर जाकर इसे अपडेट करवा सकते हैं। ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन व ऑफलाइन अपडेट कर सकते हैं। यू.आई. डी.ए.आई. के प्रोजेक्ट मैनेजर मनवीर जोशी ने बताया कि 5 से 15 वर्ष के बाद फिंगर प्रिंट बदल जाते हैं। परिवार उत्थान मेलों के माध्यम से काऊटंर बनाकर इसे प्रक्रिया के तहत अमल में लाया जाएगा। आधार के अपडेट कराने के लिए पहचान के प्रमाण पत्र, पते के प्रमाण के वैध सहायक दस्तावेजों के साथ आधार को ऑफलाइन पोर्टल या एम आधार ऐप के माध्यम से अपडेट कर सकते हैं। कार्यशाला में यू.आई.डी.ए.आई.आर.ओ. चण्डीगढ़ के सहायक मैनेजर मनवीर जोशी, पुलिस, शिक्षा, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला कल्याण अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय के अधिकारियों के अलावा अन्य कई विभागों के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

'धरोहर पुरोधा सम्मान' से सम्मानित हुए डॉ. महासिंह पूनिया

धरोहर के संरक्षण के लिए इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर दिल्ली में मिला सम्मान

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, तान तरंग संगीत सभा नई दिल्ली द्वारा पद्म विभूषण उस्ताद अमीर खान स्मृति अखिल भारतीय संगीत समारोह में 60 से अधिक फिल्मों एवं 50 से अधिक टीवी सीरियल में काम कर चुके फिल्मी अभिनेता शाहबाज खान ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक एवं आईआईएचएस के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. महासिंह पूनिया को कला एवं पुरातन संस्कृति के संरक्षण एवं उत्थान में अभूतपूर्व योगदान के लिए उस्ताद अमीर खान की स्मृति में धरोहर पुरोधा सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने डॉ. महासिंह पूनिया को बधाई देते हुए कहा कि डॉ. पूनिया हरियाणवी संस्कृति एवं विरासत को संजोने में अहम योगदान दे रहे हैं। इस कार्यक्रम के दौरान इन्दौर घराने से जुड़ हुए अनेक महान विभूतियां उपस्थित थी।

उल्लेखनीय है कि डॉ. महासिंह पूनिया हरियाणवी संस्कृति के प्रति समर्पित रहकर हरियाणा की लोक सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। धरोहर हरियाणा संग्रहालय की स्थापना के लिए उन्होंने 6 लाख किलोमीटर से अधिक की यात्रा कर गांव-गांव से पुरानी विषय वस्तुओं को संकलित कर धरोहर के स्वरूप में प्रस्तुत किया। जिसके माध्यम से लाखों लोग हरियाणवी संस्कृति से रूबरू हो चुके हैं। डॉ. महासिंह पूनिया 2016 से अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड क्राफ्ट मेले में हरियाणवी संस्कृति से लाखों लोगों को जोड़ चुके हैं। इसके अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में भी हरियाणा पैवेलियन की शुरूआत कर उन्होंने हरियाणा की लोक सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा डॉ. पूनिया हंगरी, ऑस्ट्रिया, इंग्लैंड, चेक रिपब्लिक, बुल्गारिया, ऑस्ट्रेलिया, टर्की, ग्रीस, वियतनाम आदि अनेक देशों में हरियाणा की लोक सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर चुके हैं।

गौरतलब है कि हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनको हरियाणा की लोक सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए 2 लाख रुपये के जनकवि मेहर सिंह पुरस्कार से सम्मानित भी किया है। हाल ही में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने उन्हें हरियाणा की संस्कृति संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण योगदान हेतु विश्वविद्यालय की ओर से गोल्ड मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया है। हरियाणा की लोक संस्कृति पर उनकी 10 से अधिक पुस्तकें एवं 50 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. महासिंह पूनिया को धरोहर पुरोधा सम्मान मिलने पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा एवं कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा ने उन्हें बधाई दी।

डीसीबी बैंक कैथल रोड पर स्थानांतरित

गजब हरियाणा न्यूज

पिहोवा, डीसीबी बैंक ने हरियाणा के पिहोवा में अपने अंबाला रोड की शाखा को कैथल रोड पर स्तिथ गर्ग प्लाजा में सफलता पूर्वक स्थानांतरित किया। यह पहले से बड़ी शाखा जो नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस शाखा का उद्घाटन एस डी एम श्री सोनू कुमार के कर कमलों से हुआ। इस अवसर पर डीसीबी बैंक के क्लस्टर हेड आशीष बंसल ने बताया कि यह शाखा पहले से भी ज्यादा संख्या में किसानों, सूक्ष्म मध्यम और लघु उद्योग, छोटे व्यवसायी और व्यापारी तक पहुंचने के लक्ष्य को गति प्रदान करेगी। यह शाखा पिहोवा में डीसीबी बैंक ग्राहकों को खुदरा बैंकिंग सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करेंगी, जिसमें सभी आकार के लॉकर, बचत खाते पर 7त्न प्रति वर्ष की आकर्षण ब्याज दर, डीसीबी चालू खाता, 700 दिनों में 36 महीने की अवधि के लिए 8.35त्न के आकर्षक ब्याज के साथ वरिष्ठ नागरिक सावधि जमा योजना और व्यक्तियों, किसानों को कृषि और अन्य व्यवसायों और एमएसएमई के लिए विभिन्न ऋण उत्पाद आदी शामिल हैं। दुकान मालिक, व्यापारी, कृषि उद्यमी, व्यवसाय मालिक, शिल्पकार और अन्य बैंक की त्वरित ऋण परसंकर्ण सुविधा के माध्यम से डीसीबी गोल्ड लोन का लाभ उठा सकते हैं। डीसीबी बैंक कृषि क्षेत्र पर भी ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहा है जहां वह किसान क्रेडिट कार्ड के साथ-साथ ट्रैक्टर पर भी ऋण प्रदान करता है। शैक्षणिक संस्थाओं, निर्माण, वित्त और बिल्डरों को इन्वेंटरी फंडिंग के लिए कर्ज देता है। इस मौके पर स्थानीय बैंक के मैनेजर जितेंद्र शर्मा ने आए हुए सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डीसीबी बैंक के क्लस्टर हेड आशीष बंसल, एडमिन हेड अचिन अग्रवाल, शाखा प्रबंधक जितेंद्र शर्मा, निशांत अरोड़ा, रोशन लाल, किरण मोर, कमल, अंकित मित्तल वह पिहोवा के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश श्री दर्शन सिंह 15 फरवरी को करेंगे करनाल का दौरा

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

करनाल, शहरी स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण के अनुपात को तय करने के मामले की जांच के लिए, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) श्री दर्शन सिंह, आगामी 15 फरवरी 2023 को करनाल मुख्यालय पर इस मण्डल के जिले करनाल, कैथल एवं पानीपत के लोगों की जन सुनवाई करेंगे। नगर निगम के उप निगमायुक्त अरुण कुमार ने बताया कि उक्त कार्यक्रम सैक्टर-12 स्थित नगर निगम के सभागार में प्रात: साढे 10 बजे आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भी मौजूद रहेंगे।

जिला पुलिस का मादक पदार्थ तस्करी पर करार प्रहार एक आरोपी 4 किलोग्राम अफीम सहित गिरफ्तार

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल, स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट कैथल द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ एसपी मकसूद अहमद के कुशल मार्ग दर्शन तहत ' तू डाल डाल, मैं पात पात' वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए एक आरोपी को 4 किलोग्राम अफीम सहित काबू कर लिया गया।

इस बारे सोमवार की दोपहर एसपी मकसूद अहमद ने स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा 4 किलोग्राम अफीम बरामद कामयाबी का खुलासा प्रेस वार्ता के माध्यम से करते हुए बताया कि नशे को जड़ से खत्म करने के लिए पुलिस द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयास के सार्थक परिणाम सामने आ रहे है। पुलिस का प्रयास है कि मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों को काबू करके करके युवा वर्ग को नशे से दूर करके जिले को नशा मुक्त बनाया जा सके। एसपी ने बताया कि इसी कड़ी में रविवार को स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी इंस्पेक्टर अमित कुमार की अगुवाई में एएसआई कमलजीत सिंह की टीम पेट्रोलिंग दौरान करनाल बाईपास पर मौजूद थी। जहां पर पुलिस पार्टी को गुप्त सूत्रों से पुख्ता जानकारी मिली कि जिला पटियाला के मंशीगन गांव का रहने वाला संदीप उर्फ चीमा अफीम तस्करी का काम करता है और आज मादक पदार्थ अफीम लेकर पंजाब जाने के लिए नए बस अड्डे के पास रेलवे फाटक पर खड़ा है अगर तुरंत रेड की जाए तो संदीप उपरोक्त को काफी मात्रा में अफीम के साथ काबू किया जा सकता है। सूचना विश्वसनीय होने के कारण पुलिस पार्टी द्वारा तत्परता व मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए तुरंत रेलवे फाटक के पास दबिश दी गई। जो संदिग्ध सदींप द्वारा मौका से भागने की कोशिश की गई लेकिन पुलिस पार्टी द्वारा सतर्कता दिखाते हुए संदिग्ध संदीप को मौके पर ही पकड़ लिया। एसपी ने बताया कि पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे कैथल नायब तहसीलदार आशीष कुमार के समक्ष जब संदिग्ध संदीप उपरोक्त की तलाशी ली गई तो आरोपी के कब्जे में एक पॉलिथीन से 4 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। पूछताछ दौरान आरोपी बरामद अफीम बारे कोई परमिट व लाइसेंस पेश नहीं कर सका। आरोपी के खिलाफ थाना सिविल लाइन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज एसडीयू से मौके पर पहुंचे पीएसआई अमन द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी संदीप उपरोक्त सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा, जिससे पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशा करने का आदि है और पहले भी नशा तस्करी के मामले में पुलिस द्वारा पकड़ा जा चुका है और जेल में रहा है। जेल में ही उसकी जान पहचान किसी अन्य आरोपी से हो गई। जो उसके माध्यम से मादक पदार्थ लेकर आगे सप्लाई करने लगा। उन्होने बताया कि आरोपी पर कुल 7 मामले दर्ज है, जिनमें अंबाला जिला में चोरी व धोखाधडी के 2, धोखाधडी के 2 मामले सिविल लाइन कैथल में तथा 3 मामलें थाना शाहाबाद जिला कुरुक्षेत्र में चोरी व नशा तस्करी के अंकित है। मामले की तह तक जाने के लिए आरोपी का माननीय न्यायालय से पुलिस रिमांड हासिल किया जाएगा।

अपने आप को साधो

आदमी चाहे तो पशुओं से नीचे गिर जाए और चाहे तो देवताओं से ऊपर उठ जाए। लेकिन ऊपर उठने में चढ़ाई है और चढ़ाई श्रमपूर्ण है। नीचे उतरने में ढलान है, श्रम नहीं लगता। इसलिए आदमी नीचे की तरफ जाना आसान पाता है। जैसे कि कार अगर पहाड़ी से नीचे की तरफ आ रही हो तो कंजूस आदमी पेट्रोल बंद कर देते हैं। पेट्रोल की जरूरत ही नहीं है, कार अपने से ही चली आती है। ढलान है। लेकिन तुम पेट्रोल बंद करके पहाड़ी नहीं चढ़ सकते, ऊर्जा लगेगी, शक्ति लगेगी, श्रम लगेगा, साधना लगेगी। ऊंचाइयां मांगती हैं साधना। पुण्य मांगते हैं साधना। परमात्मा तक पहुंचना है तो जैसे कोई गौरीशंकर का पर्वत चढ़े। पसीना-पसीना हो जाओगे। खून पसीना बनेगा। कौन उतनी झंझट ले! और अगर कभी कोई झंझट लेने भी लगे तो बाकी नहीं लेने देते, बाकी उसकी टांग पकड़ कर नीचे खींच लेते हैं। वे कहते हैं, कहां जाते हो? पागल हो गए हो! क्योंकि बाकी को भी कष्ट होता है यह देख कर कि कोई ऊपर जाए, कोई हम से ऊपर जाए!

तुमने कहानियां पढ़ी होंगी, पुराणों में कहानियां हैं, वे इसी की सबूत हैं। उन कहानियों में कोई ऐतिहासिक तथ्य नहीं है, लेकिन प्रतीकात्मक तथ्य तो है ही। सत्य है, तथ्य हो या न हो। पुराणों में कहानियां हैं कि जब भी कोई ऋषि-मुनि दुर्धर्ष तपश्चर्या में ऊपर उठता है, तो इंद्र का सिंहासन डोलने लगता है। अब इंद्र का सिंहासन क्यों डोलने लगता है? इंद्र को क्या पड़ी? घबड़ाहट पैदा होती है कि कहीं यह मेरा पद न ले ले! तो इसको गिराओ, इसको डिगाओ।

तो तुमसे कोई अगर थोड़े ऊपर है, वह धक्का मारेगा कि नीचे जाओ। और जो नीचे हैं, वे तुम्हारी टांग खींचेंगे कि कहां ऊपर जाते हो! भीड़ तुम्हें खींच लेगी अपने में वापस, कि तुम हमसे अपने को ऊंचा समझना चाहते हो? ऊंचे उठना चाहते हो? भीड़ तुम्हारे पंख काट देगी। भीड़ बरदाश्त नहीं करती। भीड़ कभी किसी महामानव को बरदाश्त नहीं करती। महामानव के लिए तो भीड़ गालियां ही देती है, अपमान ही करती है। यही महामानव का भाग्य है, नियति है; उसे गालियां झेलनी पड़ेंगी।

तुम पूछते हो 'जीवन इतना उलटा-उलटा क्यों मालूम होता है?'

मालूम नहीं होता, हमने बना लिया है उलटा-उलटा। हमने सब उपाय करके उलटा-उलटा कर लिया है। आदमी है परमात्मा होने की क्षमता और हम परमात्मा नहीं हो रहे हैं। हम गिर रहे हैं पशुओं से नीचे। हम हो रहे हैं हैवान। परमात्मा होना तो दूर, हम आदमी भी नहीं हो पा रहे हैं। इससे सब उलटा हो गया है। हमारी प्रकृति, हमारा निसर्ग तो चाहता है कि उड़ें, पंख फैलाएं आकाश में! और हमारी व्यवस्था, हमारे स्वार्थ, हमारा समाज, हमारे चारों तरफ की भीड़ चाहती है कि हम नीचे रहें, कहीं ऊंचे न जाएं!

मेरी लड़की नाच सकती है, गा सकती है और सितार भी बजा सकती है। वह अभिनय करने में कुशल है और वह एक अच्छी तैराक भी है। उसे पिक्चर देखने और उपन्यास पढ़ने का बहुत शौक है। जूडो और कराटे का भी उसे अच्छा ज्ञान है। मेरी लाड़ली बिटिया बड़ी निडर और दुस्साहसी है। वह हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी, फ्रेंच और जापानी भाषाएं जानती है तथा जर्मन सीख रही है। पिछले साल वाद-विवाद और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में वह स्वर्ण-पदक जीत चुकी है। वह धाराप्रवाह बोल सकती है। सामाजिक कार्यों में उसका झुकाव है। और अगले लोकसभा चुनाव में वह सूरत क्षेत्र से इलेक्शन लड़ने की तैयारी कर रही है। आप में क्या खूबियां हैं? ढब्बूजी की होने वाली सास ने अपनी सुपुत्री के विषय में विस्तार से बताने के बाद ढब्बूजी से पूछा।

बेचारे ढब्बूजी शर्म से सिर झुका कर बोले, जी, मुझे तो सिर्फ खाना पकाना ही आता है और मुझे सर्वश्रेष्ठ भोजन पकाने के लिए कई बार पुरस्कार भी मिले हैं।

जिंदगी हम उलटी किए दे रहे हैं। हमने उलटी कर ली है जिंदगी। स्त्रियां पुरुष होने की कोशिश में लगी हैं और पुरुष स्त्रैण होने की कोशिश में लगे हैं। स्त्रियां दौड़ रही हैं तेजी से कि पुरुष से स्पर्धा करें। और पुरुष धीरे-धीरे बर्तन मल रहा है, भोजन बना रहा है, घर साफ कर रहा है। स्त्रियां सिगरेट पी रही हैं, घुड़सवारी कर रही हैं, जूडो-कराटे की शिक्षा ले रही हैं। स्त्रैणता नष्ट हो रही है। स्त्रैणता चाहती है एक कमनीयता। पुरुष का पुरुषत्व भी नष्ट हो रहा है। सब चीजें उलटी होती जा रही हैं। उलटा कोई परमात्मा नहीं कर रहा है, उलटा हम कर रहे हैं।

लड़की बहुत अमीर थी और मुल्ला नसरुद्दीन गरीब, पर ईमानदार। वह उसे पसंद करती थी, पर बस इतना ही, यह मुल्ला भी जानता था। एक रात मौका पाकर मुल्ला बोला, तुम बहुत अमीर हो?

हां- लड़की ने कहा--इस समय मैं एक करोड़ की आसामी हूं। इस समय एक करोड़ रुपया मेरे पास है।

मुझसे शादी करोगी? मुल्ला ने पूछा।

नहीं।

मुझे मालूम था कि तुम यही कहोगी--मुल्ला ठंडी सांस लेता हुआ बोला।

तो फिर तुमने पूछा ही क्यों? लड़की ने मुल्ला से पूछा।

यह देखने के लिए कि आदमी को कैसा लगता है एक करोड़ रुपया गंवा कर, मुल्ला बोला।

उसे भी शादी में उत्सुकता नहीं है। एक करोड़ रुपया गंवा कर कैसा लगता है आदमी को, यह जानने के लिए! वह जो ठंडी सांस ली थी, वह एक करोड़ रुपया गंवाया, उसके लिए ली थी।

लोग धन के लिए प्रेम करेंगे तो सब उलटा हो जाएगा। और लोग धन के लिए ही प्रेम कर रहे हैं। प्रेम के लिए भी पूछने जाते हैं ज्योतिषी से। प्रेम भी मां-बाप तय करते हैं। क्योंकि मां-बाप ज्यादा होशियार हैं। धन, पद, प्रतिष्ठा, सबका इंतजाम करेंगे। प्रेम का भी मौका मनुष्य को सीधा नहीं रह गया। वह भी दूसरे तय कर रहे हैं। और उनके निर्णय के आधार क्या हैं? लड़के के पास कितना धन है, कितनी शिक्षा है? लड़की के पास कितना दहेज है, कितनी शिक्षा है? लड़कियां कालेजों में पढ़ रही हैं केवल इसलिए कि उन्हें अच्छा वर मिल सके, पढ़ाई में किसी की उत्सुकता नहीं है।

मैं विश्वविद्यालय में शिक्षक था। मैंने एक लड़की नहीं देखी जिसको पढ़ाई में उत्सुकता हो। उनकी सारी उत्सुकता यह है कि किसी तरह अच्छी डिग्री मिल जाए, प्रथम श्रेणी मिल जाए। और स्वर्ण-पदक मिल जाए तब तो कहना ही क्या! मगर स्वर्ण-पदक, अच्छी डिग्री, पढ़ना-लिखना, इसमें कोई रस नहीं है। रस इस बात में है कि तब वे अच्छा पति फांस सकेंगी। नौकरी उसकी अच्छी होगी। डिप्टी कलेक्टर, कलेक्टर, डाक्टर होगा, इंजीनियर होगा।

हम जिंदगी को उलटा किए दे रहे हैं। हमने जिंदगी उलटी कर ली है।

एक युवती ने प्रदर्शनी में एक नये ढंग का कंप्यूटर देखा। प्रदर्शनी के संचालक ने बताया कि यह ऐसा यंत्र है जो इंसान जैसा मस्तिष्क रखता है और यह प्रत्येक प्रश्न का सही उत्तर देने की पूरी क्षमता भी रखता है।

युवती तो बहुत प्रभावित हुई। उसने एक कागज पर प्रश्न लिखा-मेरा बाप कहां है?

इस प्रश्न को मशीन में डाला गया और एक बटन दबाई गई। तुरंत मशीन में से एक पुर्जा बाहर निकला, जिस पर लिखा था-तुम्हारा बाप बंबई की एक शराब की दुकान में बैठा शराब पी रहा है।

एकदम गलत-युवती बोली--मेरे बाप को मरे तो बीस साल हो गए।

यह मशीन कभी कोई गलती नहीं करती-संचालक ने पूरे विश्वास से कहा-आप इसी प्रश्न को जरा दूसरे ढंग से पूछिए।

इस बार युवती ने अपने प्रश्न को इस प्रकार लिखा-मेरी मां का पति कहां है?

फिर से प्रश्न को मशीन में डाला गया और बटन दबाई गई। बटन के दबाते ही फटाक से एक पुर्जा बाहर आया जिस पर लिखा था-तुम्हारी मां के पति को मरे बीस साल हो गए हैं, लेकिन तुम्हारा बाप बंबई की एक शराब की दुकान में बैठा शराब पी रहा है।

परमात्मा नहीं कर रहा है जिंदगी को उलटा। परमात्मा को बख्शो, उस पर कृपा करो। उसका तुम्हें कुछ पता भी नहीं है। हमने ही सब गड़बड़ कर लिया है। हमने ही गुड़-गोबर कर लिया है। हमारी जिम्मेवारी है। मनुष्य ने अपने हाथ से ही अपनी जिंदगी पर कालिख पोत ली है, अपने चेहरे पर नकाब लगा लिए हैं, मुखौटे पहन लिए हैं, पाखंडी हो गया है। कुछ कहता है, कुछ करता है। किसी बात का भरोसा नहीं है। उसे खुद अपनी बात का भरोसा नहीं है कि वह जो कह रहा है, उसमें कितनी सचाई है? दूसरों को तो छोड़ दो, तुम जब कुछ कहते हो, बिना सोचे-समझे कहे जा रहे हो। पीछे तुम पछताते हो कि यह मैं क्या कह गया! यह तो मैंने कहना चाहा नहीं था। यह तो मैंने सोचा भी नहीं था कि कहूंगा।

तुम्हें अपना भी पूरा पता नहीं है। तुम्हारे भीतर भी कितना अचेतन कूड़ा-कचरा भरा है, उसका तुम्हें होश नहीं है। वह कूड़ा-कचरा कब तुम्हारे बाहर आ जाता है, तुम्हें पता भी नहीं चलता। तुम क्यों क्रोधित हो गए? तुमने क्यों क्रोध में कुछ कह दिया, कुछ तोड़ दिया, कुछ फोड़ दिया? पीछे तुम खुद ही अपना सिर धुनते हो। तुम कहते हो, मेरे बावजूद यह हो गया, मैं तो करना ही नहीं चाहता था।

मनुष्य अगर अपने को न जानता हो तो उलटा हो जाएगा। आत्मज्ञान ही मनुष्य को सीधा रख सकता है। आत्म-अज्ञान में सब उलटा हो जाने वाला है। और हम सब अज्ञानी हैं। मगर कोई मानने को राजी नहीं है कि वह अज्ञानी है। सबको भ्रम है ज्ञानी होने का। और जब अज्ञानी को ज्ञानी होने का भ्रम होता है तो अज्ञान सदा के लिए सुरक्षित हो गया। जब अज्ञानी को इस बात का बोध होता है कि मैं अज्ञानी हूं, तो उसने ज्ञान की तरफ पहला कदम उठाया। क्योंकि यह बहुत बड़ा ज्ञान है जान लेना कि मैं अज्ञानी हूं। यह बड़े से बड़ा जानना है।

परमात्मा की क्या मर्जी है, यह मत पूछो, तुम्हारी क्या मर्जी है, यह पूछो। तुम्हें जीवन को नैसर्गिक, सहज, सरल और सत्य ढंग से जीना है? इसकी फिक्र करो। तुम अपनी फिक्र करो। तुम औरों की फिक्र छोड़ो। क्योंकि तुम नहीं थे, और तो लोग थे ही; तुम कल नहीं हो जाओगे, और लोग जारी रहेंगे। यह दुनिया बड़ी है। इस सारी दुनिया को सीधा करने की चिंता में तुम मत लग जाना। क्योंकि उस तरह की चिंता भी सिर्फ, अपने उलटेपन को न देख पाऊं, इसका उपाय है। तुम अपनी फिक्र कर लो।

मैंने सुना है, मुल्ला नसरुद्दीन गया एक दुकान पर लिपस्टिक खरीदने। दुकानदार बड़ा हैरान हुआ। बहुत लिपस्टिक खरीदने वाले उसने देखे थे, मगर ऐसा खरीददार नहीं देखा था। वह एक-एक लिपस्टिक को ले और चखे। दुकानदार ने कहा कि बड़े मियां, क्या कर रहे हो? यह कोई लिपस्टिक खरीदने का ढंग है? बहुत खरीददार देखे, जिंदगी मेरी हो गई लिपस्टिक बेचते, यही मेरा धंधा है, तुम पहली दफा आए हो। यह क्या कर रहे हो?

मुल्ला नसरुद्दीन ने कहा कि तुम अपने काम से काम रखो, मुझे मेरा काम करने दो। बीच में बाधा देने की तुम्हें जरूरत नहीं। लिपस्टिक मैं खरीद रहा हूं या तुम?

दुकानदार ने कहा, वह तो आप ही खरीद रहे हैं। मगर बेच रहा हूं मैं, तो कम से कम मुझे इतना हक है पूछने का कि यह क्या ढंग है चुनने का?

मुल्ला नसरुद्दीन ने कहा कि यह निजी बात है। तुम नहीं मानते तो बताए देता हूं। लगाएगी तो मेरी पत्नी लिपस्टिक, लेकिन चखना तो मुझको ही पड़ेगा! सो पहले से ही मैं चख रहा हूं। मैं अपनी फिक्र कर रहा हूं।

और मैं भी तुमसे कहता हूं, तुम अपनी फिक्र कर लो। छोड़ो फिक्र दुनिया की कि उलटी है कि सीधी। तुम इतनी फिक्र कर लो कि तुम तो कहीं सिर के बल नहीं खड़े हो! बस तुम अपने को सीधा करने में लग जाओ। और तुम सीधे हो जाओ तो तुम अचानक पाओगे कि तुम्हारे आस-पास की दुनिया भी सीधी होने लगी। हम जैसे होते हैं, हमारे लिए दुनिया वैसी ही हो जाती है। क्योंकि दुनिया हम पर वही लौटा कर बरसा देती है जो हम दुनिया को देते हैं। अगर तुम फूल फेंकोगे दुनिया पर, फूल लौट आएंगे-हजार गुना होकर लौट आएंगे! दुनिया एक प्रतिध्वनि है। और तुम अगर सीधे हो तो तुमसे जो भी आदमी संबंध बनाएगा, वह संबंध बना ही तब सकेगा जब सीधा होगा, उसे सीधा होना ही पड़ेगा, नहीं तो तुमसे संबंध नहीं बन सकेगा। धीरे-धीरे तुम पाओगे तुमसे वे ही लोग संबंध बनाते हैं जो सीधे हैं। पियक्कड़ों के पास पियक्कड़ इकट्ठे होते हैं। जुआरियों के पास जुआरी इकट्ठे हो जाते हैं। संतों के पास, जिनके संतत्व की संभावना है, वे ही लोग खिंचे चले आते हैं। सदगुरु के पास हर कोई नहीं आ जाता। बुद्धों के पास सिर्फ संभावित बुद्ध ही आते हैं।

तुम सीधे हो तो तुम अचानक पाओगे कि तुम्हारे संबंध उन लोगों से होने लगे जो सीधे हैं। कम से कम तुम्हारी छोटी सी दुनिया सीधी हो जाएगी, साफ-सुथरी हो जाएगी। तुम जटिलता छोड़ो। तुम कुटिलता छोड़ो। तुम इरछा-तिरछापन छोड़ो। इतना तो हो सकता है। लेकिन तुम अगर दुनिया को सीधा करने में लग गए तो तुम खुद भी सीधे न हो पाओगे, तुम किसी को सीधा कर भी न पाओगे। तुम्हारा जीवन रेत से तेल निकालने में व्यतीत हो जाएगा, न कभी तेल निकलेगा, न कभी तुम्हें तृप्ति होगी, न कभी तुम अनुभव कर सकोगे कि मैं पा सका वह जो मैंने पाना चाहा था। छोड़ो दुनिया को, अपनी सुध लो!

ओशो

कहे होत अधीर (प्रवचन-18)

बीता हुआ कल (बुद्ध कहानी)

बुद्ध भगवान एक गाँव में उपदेश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि 'हर किसी को धरती माता की तरह सहनशील तथा क्षमाशील होना चाहिए। क्रोध ऐसी आग है जिसमें क्रोध करनेवाला दूसरोँ को जलाएगा तथा खुद भी जल जाएगा।'

सभा में सभी शान्ति से बुद्ध की वाणी सून रहे थे, लेकिन वहाँ स्वभाव से ही अतिक्रोधी एक ऐसा व्यक्ति भी बैठा हुआ था जिसे ये सारी बातें बेतुकी लग रही थी । वह कुछ देर ये सब सुनता रहा फिर अचानक ही आग-बबूला होकर बोलने लगा, 'तुम पाखंडी हो। बड़ी-बड़ी बाते करना यही तुम्हारा काम। है। तुम लोगों को भ्रमित कर रहे हो। तुम्हारी ये बातें आज के समय में कोई मायने नहीं रखतीं'

ऐसे कई कटु वचनों सुनकर भी बुद्ध शांत रहे। अपनी बातोँ से ना तो वह दुखी हुए, ना ही कोई प्रतिक्रिया की; यह देखकर वह व्यक्ति और भी क्रोधित हो गया और उसने बुद्ध के मुंह पर थूक कर वहाँ से चला गया।

अगले दिन जब उस व्यक्ति का क्रोध शांत हुआ तो उसे अपने बुरे व्यवहार के कारण पछतावे की आग में जलने लगा और वह उन्हें ढूंढते हुए उसी स्थान पर पहुंचा, पर बुद्ध कहाँ मिलते वह तो अपने शिष्यों के साथ पास वाले

एक अन्य गाँव निकल चुके थे ।

व्यक्ति ने बुद्ध के बारे में लोगों से पुछा और ढूंढते- ढूंढते जहाँ बुद्ध प्रवचन दे रहे थे वहाँ पहुँच गया। उन्हें देखते ही वह उनके चरणो में गिर पड़ा और बोला, 'मुझे क्षमा कीजिए प्रभु !'

बुद्ध ने पूछा - कौन हो भाई ? तुम्हे क्या हुआ है ? क्यों क्षमा मांग रहे हो ?

उसने कहा - 'क्या आप भूल गए। ज्मै वही हूँ जिसने कल आपके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया था। मै शर्मिन्दा हूँ। मै मेरे दुष्ट आचरण की क्षमायाचना करने आया हूँ।'

भगवान बुद्ध ने प्रेमपूर्वक कहा - 'बीता हुआ कल तो मैं वहीँ छोड़कर आया गया और तुम अभी भी वहीँ अटके हुए हो। तुम्हे अपनी गलती का आभास हो गया, तुमने पश्चाताप कर लिया ; तुम निर्मल हो चुके हो ; अब तुम आज में प्रवेश करो। बुरी बाते तथा बुरी घटनाएँ याद करते रहने से वर्तमान और भविष्य दोनों बिगड़ते जाते है। बीते हुए कल के कारण आज को मत बिगाड़ो।'

उस व्यक्ति का सारा बोझ उतर गया। उसने भगवान बुद्ध के चरणों में पड़कर क्रोध त्यागका तथा क्षमाशीलता का संकल्प लिया, बुद्ध ने उसके मस्तिष्क पर आशीष का हाथ रखा। उस दिन से उसमें परिवर्तन आ गया, और उसके जीवन में सत्य, प्रेम व करुणा की धारा बहने लगी।

मित्रो, बहुत बार हम भूत में की गयी किसी गलती के बारे में सोच कर बार-बार दुखी होते और खुद को कोसते हैं। हमें ऐसा कभी नहीं करना चाहिए, गलती का बोध हो जाने पर हमे उसे कभी ना दोहराने का संकल्प लेना चाहिए और एक नयी ऊर्जा के साथ वर्तमान को सुदृढ़ बनाना चाहिए।

भारतीय संविधान

अनुच्छेद व भाग - 330 से 378

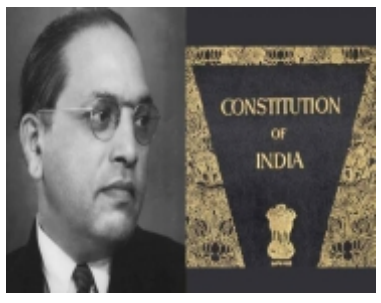

अनुच्छेद 330 : लोक सभा में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिये स्थानो का आरक्षण

अनुच्छेद 331 : लोक सभा में आंग्ल भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व

अनुच्छेद 332 : राज्य के विधान सभा में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए स्थानों का आरक्षण

अनुच्छेद 333 : राज्य की विधानसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व

अनुच्छेद 343 : संघ की परिभाषा

अनुच्छेद 344 : राजभाषा के संबंध में आयोग और संसद की समिति

अनुच्छेद 350 क : प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधाएं

अनुच्छेद 351 : हिंदी भाषा के विकास के लिए निर्देश

अनुच्छेद 352 : आपात की उदघोषणा का प्रभाव

अनुच्छेद 356 : राज्य में संवैधानिक तंत्र के विफल हो जाने की दशा में उपबंध

अनुच्छेद 360 : वित्तीय आपात के बारे में उपबंध

अनुच्छेद 368 : सविधान का संशोधन करने की संसद की शक्ति और उसकी प्रक्रिया

अनुच्छेद 377 : भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक के बारे में उपबंध

अनुच्छेद 378 : लोक सेवा आयोग के बारे

अमृतवाणी

श्री गुरु रविदास जिओ की
जय गुरुदेव जी

बेगमपुरा शहर को नाउं ।। दुख अंदोहु नहीं तिंहि ठाऊं ।।
जय गुरुदेव जी

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि जिस शहर में मैं रहता हूं उस शहर को बेगमपुरा शहर कहते हैं जो सब तरह के गमों से मुक्त है ।उस संसार में दुख और चिंता के लिए कोई स्थान नहीं है ।

दूसरा अर्थ : इस संसार में बेगमपुरा वतन जैसी व्यवस्था होनी चाहिए ।जिसमें सब मनुष्यों को समान नागरिकता प्राप्त हो और जहां स्वतंत्रता, समानता, न्याय और भाईचारा हो ।जिसमें सब प्राणियों को प्राथमिकता आवश्यकताएं पूरी हो और सब प्राणियों को अधिकार समान हो ।सभी प्राणी बेगमपुरा वतन में सभी तरह के ग़म से मुक्त हो ।किसी भी प्राणी को जाति पाति का, ऊंच-नीच का , छुआछात का , गरीब अमीर का गोरे काले का और रंग भेद का कोई दुख न हो ।

धन गुरुदेव जी

सुई तो घर में गिरी लेकिन ढूंढ रहे हैं हम बाहर

एक बूढ़ी महिला के जीवन की प्रसिद्ध कथा है। एक शाम लोगों ने देखा कि वह घर के बाहर कुछ खोज रही है। पास पड़ोस के लोग आ गए. वे भी कहने लगे कि हम साथ दे दें, आखिर क्या खो गया ?

वृद्ध महिला ने कहा– मेरी सुई गिर गई है।

सभी लोग खोजने लगे। सूरज ढलने लगा. रात उतरने लगी. सुई जैसी छोटी चीज और रास्ता बड़ा, कहां खोजें।

एक समझदार आदमी ने कहा कि बूढ़ी मां सुई गिरी कहां है ? ठीक ठीक जगह का कुछ पता हो तो शायद मिल जाए। ऐसे तो कभी नहीं मिलेगी, रास्ता बड़ा है. और अब तो रात भी उतरने लगी।

बूढ़ी महिला ने कहा– वह तो पूछो ही मत कि कहां गिरी ! सुई तो घर के भीतर गिरी है।

तब तो वे सब जो खोजने में लगे हुए थे खड़े हो गए। उन्होंने कहा, हद हो गई। तेरे साथ हम भी पागल बन रहे हैं। अगर सुई घर के भीतर गिरी हैं तो यहां किसलिए खोज रही है ? तेरा होश खो गया, पागल हो गई ? बुढ़ापे में सठिया गई है ?

बूढ़ी महिला ने कहा – नहीं ! मैं वही कर रही हूं जो सारी दुनिया करती है। सुई तो घर के भीतर गिरी हैं लेकिन भीतर रोशनी नहीं है.. गरीब औरत हूं.. घर में दीया नहीं है...बाहर रोशनी थी तो मैंने सोचा बाहर ही खोजूं, जहां रोशनी है वही खोजूं।

लोग कहने लगे, यह तो हमारी समझ में आता है कि बिना रोशनी के कैसे खोजेगी लेकिन जब गिरी ही नहीं है सुई यहां, तो यहां कैसे मिलेगी।

उसने कहा – यही तो मेरी समझ में नहीं आता. तुम सबको भी मैं बाहर खोजते देखती हूं और जिसे तुम खोज रहे हो वह तो सभी के भीतर बैठा हुआ है। शायद जिस कारण से मैं सुई बाहर खोज रही हूं उसी कारण से तुम भी बाहर खोज रहे हो।

मनुष्य सुख को बाहर की चकाचौंध में खोज रहा है, भटक रहा है, भाग रहा है लेकिन सुख तो स्वयं के भीतर बसा हुआ है। जरा चित्त को एकाग्र कर ध्यान से देखें तो सहीद्य। सुख की चाबी तो अपने पास ही है।

कस्तुरी नाभि बसे, मृग ढूंढे वन माही।

सबका मंगल हो..सभी प्राणी सुखी हो..सभी निरोगी हो
आलेख : डॉ. एम एल परिहार, जयपुर

स्वयं के उदगार और शुभ भावनाओं से की गई अरदास फलदायिनी : स्वामी ज्ञाननाथ

कहा : मन, निष्कपट भाव और पवित्र अंत: करण से की गई प्रार्थना, प्रकृति और प्रियतम पिता परमात्मा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक सही और सटीक माध्यम

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला, निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा कि सच्चे मन, निष्कपट भाव और पवित्र अंतःकरण से की गई प्रार्थना प्रकृति और प्रियतम पिता परमात्मा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक सही और सटीक माध्यम है। इस मालिकेकुल जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार परमात्मा और इसके साक्षात स्वरूप प्रतिनिध समय के आत्मदर्शी सतगुरू को खुश करने तथा शुभ आशीष और आर्शीवाद का सुपात्र बनने का आर्त भाव से की गई प्रार्थना ही सही-सटीक और कारगर जरिया है। प्रार्थना करते हुए साधक के भाव उसके स्वयं के अंतःकरण से उठे उदगार होने चाहिए। किसी के द्वारा लिखी गई प्रार्थना को जोर-जोर से उच्चारण करने, तरह-तरह की तर्जो और संगीत की धुनो पर गाने-बजाने से उतना लाभ नही होता जितना मालिकेकुल परमात्मा और सतगुरू के प्रति स्वयं के उदगार और शुभ भावनाओं से की गई अरदास फलदायिनी होती है। किसी दूसरे के द्वारा लिखी गई प्रार्थना से साधक प्रेरणा ले सकता है परंतु आखिरकार प्रार्थना करते हुए उसके स्वयं के भाव होने चाहिए। अपने आप को दीन-हीन समझकर, इस जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार परमात्मा और इसके प्रतिनिधि समय के आत्मवेता सतगुरू को सदा-सर्वदा, सर्वेसर्वा और सबकुछ मानकर तहदिल से की गई प्रार्थना से अपने और दूसरों के जीवन के प्रति दृष्टिकोण साकारात्मक होता है। ऐसी प्रार्थना से कई असाध्य रोग, मानसिक तनाव, मन के शोक और दोष, मन के पाप-संताप, एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या-द्वेष, अंधविश्वास और अज्ञानता समाप्त होती है। जब किसी कारणवश जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों के अंबार चारों तरफ से घेर लेते हैं, नाना प्रकार की आपतियां-विपतियां, भ्रांतियां-सशंय, क्या करूं और क्या ना करूं की असमंजस के बादल मंडराने लगते है, अज्ञानता, अंधविश्वास और अंधकार छा जाता है। छुटकारा पाने का कोई रास्ता नजर नही आता तब मनुष्य बरबस परमात्मा को विहल होकर पुकाराता है पल-पल प्रियतम पिता परमात्मा और इसके प्रतिनिधि समय के आत्मवेता सतगुरू के आगे गुहार लगाता है कि हे प्रभु, हे सतगुरू मेरी रक्षा-सुरक्षा करो, मुझे सही रास्ता दिखाओ, मेरा तेरे सिवाय कोई नही है। जब साधक पूरी निष्ठा, लगन, पूर्ण समर्पण और शरणागत भाव से इस अंगसंग परमतत्व के समक्ष प्रार्थना करता है तो यह ऐसे साधक की पुकार जरूर सुनती है और किसी न किसी तरह से उसकी संभाल करती है।

डेरा बाबा लालदास कपाल मोचन में मनाया गया गुरू रविदास जी का 646 वां प्रकाश पर्व

संत शिरोमणि गुरू रविदास जी की गणना केवल भारत में ही नहीं अपितु विश्व के महान संतों में की जाती है : श्रम राज्यमंत्री

गुरु रविदास जी ने समस्त मानव जाति को भाईचारे का संदेश दिया : अनूप धानक

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर/बिलासपुर, कपाल मोचन बिलासपुर में संत शिरोमणि श्री गुरू रविदास जी के 646 वें जन्म दिवस के उपलक्ष में संत समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समागम में हरियाणा के श्रम राज्य मंत्री अनूप धानक ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और गुरू रविदास जी के चरणों में नमन किया और लोगों को श्री गुरू रविदास जी की जंयती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने मन्दिर परिसर में यात्री निवास के लिए 11 लाख रूपये देने की घोषणा की।

संत समागम कार्यक्रम में बोलते हुए अनूप धानक कहा कि हमारे देश में समय-समय पर संत महात्माओं, ऋषि-मुनियों,पीर पैगम्बरों और गुरूओं ने लोगों को मानवता का संदेश दिया और जीवन जीने का सही मार्ग दिखाया हैं और ऐसे महापुरूषों में संत शिरोमणि श्री गुरू रविदास जी का नाम बड़े ही आदर से लिया जाता है। उन्होंने पूरी मानव जाति को भाईचारे का संदेश दिया और समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास जी की वाणी और शिक्षाएं आज भी प्रासगिंक है और प्रकाश स्तंभ की तरह हमें आगे बढने के लिए प्रेरित कर रही है। भारत की मध्ययुगीन संत परंपरा में गुरू रविदास जी का महत्त्वपूर्ण स्थान है। संत शिरोमणि गुरू रविदास जी की गणना केवल भारत में ही नहीं अपितु विश्व के महान संतों में की जाती है। उनकी वाणी के अनुवाद संसार की विभिन्न भाषाओं में पाए जाते हैं। संत रविदास एक समाज के न होकर पूरी मानवता के गुरु थे। उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों व छुआ-छूत को समाप्त करने पर बल दिया।

श्रम राज्य मंत्री ने कहा कि संत रविदास की शिक्षाएं समाज के लिए प्रासंगिक है। उनका प्रेम, सच्चाई और धार्मिक सौहार्द का पावन संदेश हर दौर में प्रासंगिक है। गुरु रविदास जी का कार्य न्याय संगत और समतावादी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हमारे देश भारत में सदियों से अनेक महान संतो ने जन्म लेकर इस भारत भूमि को धन्य किया है जिसके कारण भारत को विश्वगुरु कहा जाता है और जब जब हमारे देश में ऊंच-नीच भेदभाव, जात-पात, धर्म, भेदभाव अपने चरम अवस्था पर हुआ है तब तब हमारे देश भारत में अनेक महापुरुषों ने इस धरती पर जन्म लेकर समाज में फैली बुराईयों, कुरूतियो को दूर करते हुए अपने बताये हुए सच्चे मार्ग पर चलते हुए भक्ति भावना से पूरे समाज को एकता के सूत्र में बाधने का काम किया है।

अनूप धानक ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार सबका साथ-सबका विकास की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के हित को ध्यान में रखकर विकास कार्य करवा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार टपरीवास एवं विमुक्त जातियों के कल्याण उत्थान के लिए विमुक्त घुमंतू जाति विकास बोर्ड, सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन करने के अलावा पिछडा वर्ग आयोग का भी गठन किया है। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति एवं पिछडा वर्ग के उम्मीदवारों को विभिन्न प्रतियोगी तथा प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

संत समागम कार्यक्रम में जननायक जनता पार्टी एससी सेल के प्रदेश अध्यक्ष अशोक शेरवाल, कुसुम शेरवाल, पूर्व विधायक अर्जुन सिंह, विमुक्त घुमंतू जाति विकास बोर्ड के सलाहकार दल सिंह मल्लाह सहित अनेक वक्ताओं ने संत शिरोमणि गुरू रविदास के जन्म के बारे अपने विचार व्यक्त किए व गुरू रविदास जी को नमन किया। कार्यक्रम में निहालगढ पौंटा साहिब हिमाचल प्रदेश से रणजोत सिंह राणा ने अपनी वाणी के माध्यम से श्रद्वालूओं को निहाल किया। जिसे श्रद्वालूओं ने बहुत ही उत्सुकता से सुना और प्रशंसा की।

इस अवसर पर बिलासपुर के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, संत निर्मल दास, रविदास मंदिर सभा के प्रबंधक अमरनाथ ग्यासडा,कर्मचन्द रटौली, पूर्व डीएसपी फूलसिंह बिलासपुर के सरपंच पंकज खुराना सहित रविदास मंदिर सभा के सभी पदाधिकारी, गणमान्य व्यक्ति व विभिन्न गांवों से आए हजारों की संख्या में श्रद्वालू भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्वालूओं ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया।

सेक्टर-9 लोटस ग्रीन सिटी में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन आज से

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

कुरुक्षेत्र, पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी गो गीता गायत्री सत्संग सेवा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन कुरुक्षेत्र लोटस ग्रीन सिटी सेक्टर-9 में दिनांक 14 फरवरी से 21 फरवरी 2023 तक जनकल्याण सुख शांति समृद्धि हेतु तथा समस्त पूर्वजों के याद में समस्त जनता जनार्दन एवं भक्तों के सहयोग से किया जा रहा है। उक्त जानकारी समाजसेवी डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ सुखबीर शर्मा, (प्रधान लोटस ग्रीन सिटी) डॉ. आनन्द सिंह (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी) सुरेन्द्र अरोड़ा जयप्रकाश शास्त्री ने बताया कि समिति के संस्थापक अध्यक्ष प्रसिद्ध कथा वाचक परम श्रद्धेय अनिल शास्त्री वेदाचार्य प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा का रसपान कराएंगे। उक्त जानकारी महिला मंडल के सदस्या मीरा सिंह, अमन दीप कौर, भावना शर्मा, कीर्ति सोनी, बताया की सौभाग्यवती स्त्रियों द्वारा कलश पूजन सूर्यादि नवग्रह आदि देवताओं का पूजन किया जाएगा तत्पश्चात शोभायात्रा निकाली जाएगी। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके यजमानों द्वारा प्रारंभ किया जाएगा। भागवत यज्ञ में अनेकों भक्तजन भाग लेंगे। यज्ञाचार्य पंडित रंगनाथ त्रिपाठी भागवत जी का पूजन कराएंगे।

HINDI FORTNIGHTLY NEWS PAPER
GAJAB HARYANA

हरियाणा पुलिस के लिए ऐतिहासिक और गौरवमयी दिन

केंद्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्रपति निशान से हरियाणा पुलिस को किया अलंकृत

राष्ट्रपति निशान प्राप्त करने वाली हरियाणा पुलिस देश के 10 राज्यों में से एक पुलिस बन गयी है : अमित शाह

*** केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यकाल में देश बना कई साहसिक फैसलों का गवाह: मनोहर लाल**
*** केंद्रीय गृह मंत्री ने की हरियाणा पुलिस की कार्यशैली की सराहना**
*** आईसीजेएस तथा सीसीटीएनएस के सफल क्रियान्वयन में हरियाणा पुलिस देश में प्रथम : अमित शाह**
*** हरियाणा पुलिस के तीन शब्द : सेवा, सुरक्षा व सहयोग, केवल शब्द नहीं है, बल्कि भावना के प्रतीक: मनोहर**

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

चंडीगढ़, हरियाणा पुलिस के सेवा सुरक्षा व सहयोग के शीर्ष वाक्य का आज उस समय सार्थक सिद्ध हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने पुलिस की कार्यशैली के लिए राष्ट्रपति निशान प्रदान किया। अब हरियाणा पुलिस अपनी वर्दी पर बायं बाजू पर राष्ट्रपति निशान लगा सकेंगे जो उन्हें गौरव एवं गर्व की भावना से ओत-प्रोत करेगा।

आज करनाल में हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन के वच्छेर स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में शानदार परेड के बाद उपस्थित जवानों को संबोधित करते हुए श्री अमित शाह ने राष्ट्रपति निशान प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल व गृह मंत्री श्री अनिल विज की कार्यशैली की भी सराहना की।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने आज ही के दिन वर्ष 2019 में पुलवामा में एक कायराना हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के 40 जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि जब तक भारत की रक्षा का इतिहास लिखा जाएगा, तब तक इन 40 जवानों के नाम स्वर्णिम अक्षरों से भारत के सुरक्षा इतिहास में चिन्हित होगा। उन्होंने पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय श्रीमती सुष्मा स्वराज के जन्मदिवस के अवसर पर उन्हें भी नमन किया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हरियाणा पुलिस को राष्ट्रपति कलर अवार्ड देने का सम्मान आज उन्हें मिला है ये हरियाणा पुलिस का तो सम्मान है ही, परंतु मुझे भी बहुत गौरव की अनुभूति हो रही है कि हरियाणा पुलिस जैसी धाकड़ पुलिस को आज राष्ट्रपति सम्मान देने का अवसर उन्हें मिला है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रपति निशान 25 साल तक सातत्यपूर्ण सेवा व शौर्य और समर्पण से सेवा करने की समीक्षा के बाद पुलिस को प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस का हर एक क्षेत्र में चाक-चौबंद रहने का इतिहास है, चाहे कानून और व्यवस्था की परिस्थिति को दुरुस्त रखना हो या सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना हो या नागरिकों के जीवन को सुलभ बनाना हो या राजधानी के नजदीक होने के कारण कई आंदोलनों से कुशलतापूर्वक व मानवीय तरीके से निपटना हो, हर क्षेत्र में हरियाणा पुलिस ने अपना शौर्य, धैर्य और साहस का परिचय दिया है।

राष्ट्रपति निशान प्राप्त करने वाली हरियाणा पुलिस देश के 10 राज्यों में से एक पुलिस

श्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रपति निशान से प्राप्त होने वाली हरियाणा पुलिस देश के 10 राज्यों में से एक पुलिस बन गयी है। इससे पहले यह सर्वोच्च सम्मान मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, तमिलनाडु, त्रिपुरा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और असम राज्यों की पुलिस को मिला है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1951 में सबसे पहले यह निशान इंडियन नेवी को मिला था। उसके बाद में 10 पुलिस को और कई सीएपीएफ को मिला है।

उन्होंने कहा कि 1 नवंबर, 1966 से अलग राज्य के रूप में हरियाणा जब अस्तित्व में आया है, तब 12,000 पुलिस कर्मियों के साथ अपना सफर शुरू किया था और आज हरियाणा पुलिस की संख्या 75,000 से अधिक पहुंची गई है। हरियाणा पुलिस आज 5 पुलिस रेंज, 4 पुलिस कमिश्नरेट और 19 जिला पुलिस तथा रेलवे पुलिस के माध्यम से जनता की सेवा और सुरक्षा का दायित्व निभा रही है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जिस प्रकार से हरियाणा पुलिस ने अपनी जान की परवाह किये बगैर बहादुरी का परिचय दिया और हर मुसीबत में जनता की विपरीत परिस्थितियों में भी मदद की और बुजुर्गों की सहायता व कमजोर और बीमार की सहायता की, इसने न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देशभर में हरियाणा पुलिस ने एक बहुत अच्छी पहचान और विश्वास के वातावरण को निर्मित किया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा वासियों के लिए यह गर्व की बात है कि हरियाणा के अंदर कानून एवं व्यवस्था की परिस्थिति अच्छी है और आज हरियाणा का नाम प्रथम रहता है। उन्होंने कहा कि विगत एक साल में हरियाणा पुलिस ने कई अंतरराज्यीय गैंग का सफाया करने में केंद्रीय एजेंसियों, पंजाब पुलिस, दिल्ली पुलिस और राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर एक बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। इसके लिए 2018 में स्थापित की गई हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स को केंद्रीय गृह मंत्री ने बधाई दी।

उन्होंने हरियाणा पुलिस की स्थापना से लेकर अब तक शहीद हुए 83 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने 1984 से 1994 तक 10 साल पंजाब के आतंकवाद की पीड़ा भी झेला और उसका सामना कर विजय प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि आमजन को आपात स्थिति मे त्वरित सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से जुलाई 2021 में शुरू की गई डायल- 112 के माध्यम से हरियाणा पुलिस को लगभग 86 लाख से ज्यादा कॉल प्राप्त हुई हैं। पुलिस का औसत रिस्पॉन्स समय 11 मिनट 36 सेकंड था, जिसको कम कर 8 मिनट 22 सेकंड किया गया है, जो देश में दूसरे स्थान पर है। इस प्रोजेक्ट के तहत लगभग 600 से अधिक एमर्जेंसी रिस्पॉन्स वाहन पुलिस को दिए गए हैं और इस एक नंबर से सभी आपातकालीन सेवाओं को जोड़ने का काम किया है।

आईसीजेएस तथा सीसीटीएनएस के सफल क्रियान्वयन में हरियाणा पुलिस देश में प्रथम

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हरियाणा में 29 साइबर थाने, 309 साइबर डेस्क स्थापित किए गए हैं, जो साइबर फ्रॉड के केसों पर नकेल कर रहे हैं। इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) प्रोजेक्ट तथा सीसीटीएनएस के सफल क्रियान्वयन के लिए हरियाणा पुलिस को देशभर में प्रथम स्थान मिला है, इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल और गृहमंत्री श्री अनिल विज को बहुत बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उड़न दस्ता, एंटी करप्शन विंग के माध्यम से 1303 छापे मारकर प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि पुलिस को जनता के लिए अप्रोचेबल रहना, आधुनिक तकनीक को अपनाकर लोगों की कठिनाइयों को कम करना चाहिए। इस दिशा में हरियाणा ने कई सुधार किये हैं। शस्त्र लाइसेंस से जुड़ी सभी सेवाओं को ऑनलाइन करने का काम किया है। नारकोटिक्स कंट्रोल के माध्यम से नशे पर नकेल कसने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में नशामुक्त भारत का संकल्प दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय सभी राज्यों की पुलिस को साथ में लेकर इस पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार नशे के खिलाफ जीरो टोलरेंस नीती अपना रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्रालय के अंतर्गत पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन की स्थापना की है। इसके तहत भविष्य की चुनौतियों के देखते हुए देशभर की पुलिस को टेक्नोलॉजी से युक्त किया जाएगा। कॉन्स्टेबल से लेकर डीजीपी तक को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद आतंकवादी घटनाओं में भारी कमी आई है और टूरिजम भी बढ़ा है। इसके अलावा, पूर्वोत्तर राज्यों में भी शांति आई है। वामपंथी उग्रवाद पर अंकुश लगा है।

हरियाणा पुलिस के तीन शब्द - सेवा, सुरक्षा व सहयोग, केवल शब्द नहीं है, बल्कि भावना के प्रतीक- मुख्यमंत्री

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने हरियाणा पुलिस को राष्ट्रपति निशान प्रदान करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस के तीन शब्द सेवा, सुरक्षा व सहयोग, यह केवल तीन शब्द नहीं है, बल्कि हमारे भावना के प्रतीक हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर से 370 धारा और 35 ए को समाप्त करने का जो साहसिक कार्य किया गया है, उससे एक निशान, एक विधान और एक प्रधान का सपना साकार हुआ है। इसी प्रकार नागरिकता संशोधन कानून व अयोध्या में भगवान श्री राम जी के भव्य मंदिर बनाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस प्रदेश में सुरक्षा को चाक चौबंद किए हुए है। 21वीं सदी में पुलिस में जो दक्षता होनी चाहिए, वह हरियाणा पुलिस में है। हर समय पोर्टल पर 32 नागरिक सेवाएं पुलिस के द्वारा दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में इंटरनेट और मोबाइल का उपयोग जैसे-जैसे बढ़ रहा है, वैसे ही साइबर क्राइम भी बढ़ा है, इस पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश में 29 साइबर थाने व 309 साइबर डेस्क स्थापित किए हैं। इसके अलावा, प्रदेश में जिला स्तर से ब्लॉक स्तर तक महिला पुलिस थाने खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस में महिलाओं की संख्या 9 प्रतिशत है, इसे 15 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पंचकूला में अंतरराज्यीय ड्रग सचिवालय स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से 7 राज्य आपसी समन्वय से ड्रग मामलों पर नियंत्रण रखे हुए हैं।

राष्ट्रपति निशान मिलने से सम्मान के साथ-साथ पुलिस का दायित्व भी बढ़ा

श्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा पुलिस को आज राष्ट्रपति निशान मिलने से हमारा मनोबल भी बढ़ा है। लेकिन इससे पुलिस का दायित्व भी बढ़ा है, क्योंकि जिन विशेषताओं के लिए यह राष्ट्रपति सम्मान मिला है, वो विशेषताएं तो बनाकर रखनी ही हैं, बल्कि अपनी दायित्वों का निर्वहन भी और प्रभावी तरीके से करना है।

पिछले 56 वर्षों से हरियाणा पुलिस को जनसेवा के लिए कई उपलब्धियों हासिल हुई हैं

इस अवसर प्रदेश के गृह मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा का अंदाज और हरियाणा का मिजाज कुछ हटकर है। ये अंदाज और मिजाज आज हरियाणा के खानपान व बोली और यहाँ के रहन सहन में बखूबी नजर आता है। उन्होंने कहा कि पिछले 56 वर्षों से हरियाणा पुलिस को जन सेवा के लिए कई उपलब्धियों हासिल हुई हैं और गृहमंत्री होने के नाते मुझे आनंद की अनुभूति हो रही है।

उन्होंने कहा कि देश का यह सर्वोच्च सम्मान मिलने से हरियाणा पुलिस के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। इससे पुलिस अधिकारियों और कर्मियो का मनोबल और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का एक स्मार्ट पुलिस का विजन है और हरियाणा पुलिस स्मार्ट बन गई है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस का काडर अलग बनाया जाना चाहिए, ताकि ट्रैफिक को नियंत्रित करने और दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए पुलिस विभाग में विजिलेंस सेल स्थापित किए जाने की भी आवश्यकता है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने हरियाणा पुलिस के 56 वर्षों के गौरवशाली इतिहास पर कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया।

पुलिस महानिदेशक श्री पी के अग्रवाल ने हरियाणा पुलिस को राष्ट्रपति निशान देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री का आभार व अभिनंदन व्यक्त किया। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री कंवर पाल, परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा, सहकारिता मंत्री डॉ बनवारी लाल, विकास एवं पंचायत मंत्री श्री देवेंद्र सिंह बबली, विधानसभा उपाध्यक्ष श्री रणबीर गंगवा, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती कमलेश ढांडा, श्रम राज्य मंत्री श्री अनूप धानक, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री टीवीएसएन प्रसाद सहित वरिष्ठ अधिकारीगण व गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

करनाल से यमुनानगर वाया इन्द्री–रादौर नई रेल लाईन परियोजना से होगा लाखों लोगों को फायदा : नायब

सांसद नायब सिंह सैनी ने करनाल से यमुनानगर वाया इन्द्री–रादौर रेल लाईन बिछाने की योजना को रखा लोकसभा के पटल पर एचआरआईडीसी के अनुसार प्रोजेक्ट पर लगेगा करीब 884 करोड़ का बजट

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । सांसद नायब सिंह सैनी ने कहा कि करनाल से यमुनानगर वाया इन्द्री–रादौर तक नई रेल लाईन परियोजना से कई जिलों के लाखों लोगों को फायदा होगा। इसलिए इस परियोजना को केन्द्र सरकार जल्द से जल्द अमलीजामा पहनाने का काम करें। अहम पहलु यह है कि इस प्रस्तावित 61 किलोमीटर रेल मार्ग की परियोजना को लेकर एचआरआईडीसी द्वारा लगभग 884 करोड़ की अनुमानित लागत का प्रस्ताव रेल मंत्रालय के पास राज्य सरकार के माध्यम से भेजा जा चुका है।

सांसद नायब सिंह सैनी ने गत दिवस लोकसभा में करनाल से यमुनानगर नई रेल लाइन बिछाने की योजना को हाउस के समक्ष रखा और सरकार से इस परियोजना पर जल्द से जल्द काम करने की अपील भी की है। सांसद ने लोकसभा में लाखों लोगों की मांग को रखते हुए कहा कि करनाल से यमुनानगर नई रेल लिंक परियोजना लोगों के लिए वरदान साबित हो सकती है। यह रेलवे लाईन करनाल से यमुनानगर वाया इन्द्री–रादौर से होकर गुजरेगी। इस रेल लिंक से उनकी लोकसभा के लाडवा–रादौर वासियों के साथ–साथ बाकि लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं कुरुक्षेत्र और करनाल के साथ–साथ आस–पास के सैंकडों गांवों के लोगों को हरिद्वार, ऋषिकेश जैसे पवित्र स्थानों और उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड जाने के लिए भी सुविधा मिल पाएगी।

उन्होंने लोकसभा में बोलते हुए कहा कि हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एचआरआईडीसी) के अनुसार करनाल से यमुनानगर तक मौजूदा रेल मार्ग अंबाला कैंट से होकर जाता है, यह रेल मार्ग लगभग 121 किलोमीटर का बनता है। अगर करनाल से यमुनानगर वाया इन्द्री–रादौर रेल मार्ग बनाया जाए तो इसकी दूरी महज 61 किलोमीटर बनेगी। इस प्रस्ताव को लेकर एचआरआईडीसी द्वारा बनाए गए एस्टीमेट अनुसार इस परियोजना की कुल लागत लगभग 884 करोड़ रुपए की थी। इस परियोजना का प्रस्ताव राज्य सरकार द्वारा रेल मंत्रालय को भेज दिया गया है और यह परियोजना अब रेल मंत्रालय के पास विचाराधीन है। उन्होंने रेल मंत्री से अनुरोध करते हुए कहा कि इस परियोजना पर जल्द से जल्द विचार किया जाए ताकि करनाल, कुरुक्षेत्र और यमुनानगर जिले के लाखों लोगों को रेल यात्रा की सुविधा मिल सके।

इग्नू द्वारा दाखिले की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 फरवरी की गयी : डॉ. धर्म पाल

अब 20 फरवरी तक ले सकते है इग्नू में दाखिला

गजब हरियाणा न्यूज

करनाल/यमुनानगर, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल के क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी डा. धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया की इग्नू, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिलों की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 फरवरी 2023 कर दी गयी है, जो नौकरी पेशा लोग, ग्रामीण दूर दराज क्षेत्रो में रह रहे लोग, बीच में पढ़ाई छोड़ चुके लोग, ग्रहणीया, महिलाएं, लड़कियां और जिन विद्यार्थियों को मेरिट के चलते किसी कॉलेज में दाखिला नहीं मिला ऐसे लोग इग्नू के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकते है। विश्वविद्यालय के ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल से दाखिले के लिए आवेदन किया जा सकता है। इग्नू की ऑफिशियल वेबसाइट – डब्लू डब्लू डब्लू. आईजीएन ओयूएडी एम आई एसएस आईओओएन डॉट एसएएमएआरटीएच डॉट ईडीयू डॉट आईएन है। सभी कार्यक्रमों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 फरवरी 2023 है।

उन्होंने बताया की इग्नू द्वारा पेश ये पाठ्यक्रम जनवरी 2023 सत्र के लिए हैं और छात्र अपनी पसंद के विषय का चयन कर सकते हैं जो मुक्त एवं दूरस्थ माध्यम (ओडीएल) से होगा तथा इसमें दाखिला लेने के लिए अधिकतम आयु की कोई सीमा नहीं है। इग्नू ने कहा है कि छात्र स्नातक डिग्री कोर्स के अलावा स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कार्यक्रम में भी दाखिला ले

सकते हैं । रेगुलर किसी विश्विद्यालय या कॉलेज में पढने वाले विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए इग्नू से कर सकते है एक डिग्री जिसको यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन ने भी मान्यता दे दी है बशर्ते की दोनों पाठ्यक्रमों के सेशन अलग अलग हो।

मीडिया की सुर्खियों में आने के बाद जागा बिजली विभाग

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली, खंड के गांव बजीदपुर के सरकारी स्कूल के समीप लगे ट्रासफार्मर को ऊंचाई पर रख दिया है इससे हादसा होने का खतरा टल गया। लंबे समय से ट्रासफार्मर हादसों को न्यौता दे रहा था। यह जमीन से मात्र तीन चार फुट की ऊंचाई पर जंफर लगे हुए थे और ट्रांसफार्मर रखा हुआ था और नजदीक स्कूल होने के कारण हादसा होने की संभावना थी तो विभाग की नींद टूटी और विभाग के कर्मचारियों ने ट्रासफार्मर व जंफरों को नए पोल गाड़कर काफी ऊंचाई पर लगा दिया। इससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और अमर उजाला का आभार जताया है।

ग्रामीण देवेंद्र कुमार, रमनकुमार, राजेश कुमार, प्रवीन कुमार, बलविंद्र सिंह, विरेंद्र राय आदि का कहना है कि स्कूल से कुछ दूरी पर लगे ट्रासफार्मर से कभी भी हादसा हो सकता था क्योंकि ट्रासफार्मर काफी नीचे लगा था और उसके पास से रोज स्कूल के विद्यार्थियों व ग्रामीणों का आना जाना होता है। विभाग को

कई बार सूचित किया गया और इस समस्या का मुद्दा मीडिया की सुर्खियों में भी छाया। अब विभाग ने समाधान कर दिया।

वर्तमान समय में नए रणनीतिक गठबंधन में भारत और जापान की भूमिका महत्वपूर्ण : कुमिको हाबा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति विकसित भारत की संकल्पना का आधार : प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के आईआईएचएस द्वारा मंगलवार को सीनेट हॉल में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 'इंडिया, 2.0, विजन फॉर इंडिया 2047: चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्या वक्ता प्रोफेसर कुमिको हाबा, कनागावा विश्वविद्यालय, टोक्यो व अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संघ, एशिया–प्रशांत (आईएसए) अध्यक्ष व ग्लोबल इंटरनेशनल रिलेशंस के निदेशक ने कहा कि अब सार्क, बिम्सटेक जैसे संघों को वर्तमान समय में अधिक गतिशील भूमिका निभानी है। वर्तमान समय में नए रणनीतिक गठबंधन में भारत और जापान की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से एशिया, चीन और आसियान देशों में तेजी से जनसंख्या वृद्धि हो रही है तथा जापानी आबादी भी बहुत तेजी से बूढ़ी हो रही है, दुनिया को लोकतंत्र और निरंकुशता में विभाजित करना अच्छा नहीं है। उन्होंने विश्व में भारत तेजी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। हम एक बहु–ध्रुवीय युग में हैं, जहाँ हमें पड़ोसी देश के साथ सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक संबंधों को बंद नहीं करना चाहिए। उन्होंने एंगस मैडिसन आर्थिक सांख्यिकी से संबंतिध पीपीटी के माध्यम से टेबल पर अंकतालिका दर्शाते हुए समय के साथ शून्य ईस्वी से 2030 तक किन चुनिंदा देशों की आर्थिक वृद्धि में किस प्रकार की प्रवृत्ति रही, के बारे में बताया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि क्वाड, औकस जैसे क्षेत्रीय संघों ने दुनिया में रणनीतिक और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर शासन किया। सार्क, बिम्सटेक जैसे संघों को वर्तमान समय में अधिक गतिशील भूमिका निभानी है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ओकिनावा और ताइवान का विशेष महत्व है। भारत और जापान की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इस अवसर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ कुलगीत व मां सरस्वती के समक्ष मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुमिको हाबा, मुख्यातिथि कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, मुख्य वक्ता प्रो. अश्विनी कुमार नन्दा, प्रो. प्रदीप चौहान द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर सभी अतिथियों द्वारा विवरणिका का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि आजादी के अमृत काल के विजन इंडिया में विजन फॉर इंडिया 2047 का विशेष महत्व है। भारत विश्व की सबसे बड़ी 5वीं अर्थव्यवस्था है जहां 8000 से अधिक स्टार्टअप एवं 110 यूनिकॉर्न कम्पनी का विशाल नेटवर्क है। उन्होंने कहा कि 37 करोड़ युवा शक्ति के कारण भारत दुनिया में सबसे अधिक युवा देश होने के कारण इस सक्षमता का सही दिशा दिखाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 7 प्रतिशत से 9 प्रतिशत के बीच बेरोजगारी दर विद्यमान है। कम प्रति व्यक्ति आय, बेरोजगारी की उच्च दर, प्राथमिक क्षेत्र पर निर्भरता और बुनियादी ढांचे की कमी भारत में मौजूद है। उन्होंने कहा कि इसके लिए भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्वरोजगार, उद्यमिता, एंटरप्रेन्योशिप, इंक्यूबेशन केन्द्रों द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर विकसित भारत की संकल्पना को साकार किया गया है। कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि 76वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पांच प्रण 2047 तक विकसित होना, स्वराज से स्वतंत्रता की ओर, आत्मविश्वासी होना, आत्म सम्मान के साथ संस्कृति पर गर्व करना, राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करने पर भी बल दिया। उन्होंने भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए जय अनुसंधान के नारे पर जोर देने और उस पर काम करने के महत्व को रेखांकित करते हुए महिला सशक्तिकरण की बात कही।

कार्यशाला के दूसरे मुख्य वक्ता प्रोफेसर अश्विनी कुमार नंदा ने '2047 तक भारत को विकसित बनाना: जनसंख्या में गिरावट को गति देना' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि विकसित भारत के लिए जनसंख्या नियंत्रण अत्यंत जरूरी है। उन्होंने तीन पुस्तकों, जनसंख्या पर माल्थस की पुस्तक, द पॉपुलेशन बॉम्ब, लिमिट्स टू ग्रोथ का उल्लेख करते हुए संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कुल प्रजनन दर के महत्व के साथ–साथ भारत और यूरोप में प्रजनन क्षमता में गिरावट की प्रवृत्ति पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने चरम जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त करने के लिए विभिन्न देशों द्वारा लिए गए समय पर भी बात की। भारत के पास यह 2047 में होगा, जबकि चीन ने पहले ही चरम जनसांख्यिकीय लाभांश 2010

हासिल कर लिया था। उनका दावा था कि यदि जनसंख्या प्रतिस्थापन स्तर तक पहुंचने के बाद भी भारत में प्रजनन क्षमता में दीर्घकालिक गिरावट आती है, तो इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि भारत की जनसंख्या होगी 2060 में लगभग 1.7 बिलियन पर स्थिर हो सकती है।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर प्रदीप चौहान ने सभी अतिथियों को स्वागत करते हुए भारत के गौरवशाली अतीत के बारे में तथ्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हालाँकि औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर आने की जरूरत है। अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ, दुनिया यूक्रेन–रूस युद्ध को समाप्त करने के लिए भारत की ओर देख रही है। हमारी ताकत बहुराष्ट्रीय इन्फोटेक कंपनियों के हमारे सीईओ में झलकती है। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें विकास के पश्चिमी मॉडल को अपनाने की जरूरत नहीं है। प्रो. संजीव गुप्ता, प्राचार्य, आईआईएचएस ने मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथि और सभी प्रतिभागियों, सम्मेलन के प्रायोजकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस मौके पर डीन प्रो. पवन शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अशोक कुमार, प्रो. आरके राणा, प्रोफेसर आरके सूदन, प्रोफेसर परमेश कुमार, प्रोफेसर सुखविंदर, प्रोफेसर जसविंदर, प्रोफेसर आनंद, प्रोफेसर सुनीता मदान, प्रोफेसर अमृत, डॉ कुलविंदर, प्रोफेसर अमरजीत, डॉ प्रीतम सिंह, डॉ अजय सुनेजा, प्रोफेसर अश्वनी कुश, प्रोफेसर कुसुम लता, डॉ. ऋचा भारद्वाज, डॉ. वंदना, डॉ. कुलविंदर, डॉ. विवेक चावला, डॉ. रजनी, डॉ. राजेन्द्र, डॉ. राजेश, अश्विनी, डॉ. राममिन, वैभव, दीपक, प्रीति, ममता, नितेश, राहुल, फगुनी, विनीता सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

आजाद उम्मीदवार के तौर पर विधान सभा चुनाव लडेंगे संदीप गर्ग

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

लाडवा/कुरुक्षेत्र । प्रसिद्ध उद्योगपति स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि वह आगामी विधानसभा के इलेक्शन में किसी राजनीतिक पार्टी की बजाय आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लडेंगे।

समाजसेवी संदीप गर्ग श्री गुरु रविदास आश्रम लाडवा में आयोजित की गई श्री गुरु रविदास जी की 646 वी जयंती में मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने गुरु रविदास जयंती के बारे में कहा कि संत महापुरुष किसी एक समाज के नही बल्कि सभी वर्गों के होते हैं।

उन्होंने कहा कि वह गुरु रविदास जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों में 50 गाँवों में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि उनका एक सपना था कि उनके हलके में कोई भी भूखा पेट न सोए। इसी उद्देश्य को लेकर उन्होंने अभी तक 4 रसोइयों को खोला है। जहां मात्र 5 रुपए में भरपेट खाना मिलता है, उनका उद्देश्य हलके में 20 रसोइया खोलने का है।

उन्होंने कहा कि अगर जनता ने कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनाव लड़े तो वह किसी राजनीतिक पार्टी से चुनाव न लड़ कर आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेगें। उन्होंने कहा कि हलके की जनता ही उनकी पार्टी है। उन्होंने राजनैतिक नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जितने काम उन्होंने बिना कोई विधायक या सांसद बने करवा दिए हैं, किसी भी नेता ने चुनाव से पहले और चुनाव के बाद नहीं करवाए। भाजपा व कांग्रेस पार्टी के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि उनका नगर पालिका अध्यक्षा साक्षी खुराना से पारिवारिक संबंध है। इसी नाते वह उन्हें व जिला परिषद के वार्ड नंबर 7 के सदस्य जसबीर पंजेटा को सहयोग किया था। उनका कोई ऐसा इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि जनता ने उन्हें मौका दिया तो वह लाडवा विधानसभा को नंबर वन बनाने का काम करेंगे। बता दें लाडवा दरबार साहिब में शनिवार को गुरु रविदास जी महाराज का 646 वां जन्मदिवस मनाया गया जिसमे प्रदेश भर से सैंकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। महात्मा गुरपाल दास ने गुरु रविदास जी चित्र व शॉल देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर महात्मा गुरपालदास, प्रेस प्रवक्ता इमना कटारिया सहित भारी संख्या में संगत भी मौजूद रही।

मासिक कीर्तन दरबार में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने भरी हाजरी

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र, शहर के गुरु रविदास जी ऐतिहासिक अस्थान में महीने के दूसरे रविवार को कीर्तन दरबार सजाया गया। जिसमे प्रीत रविदासिया टोहाना वाले ने श्रद्धालुओं को गुरु रविदास जी महाराज के संदेशों से रूबरू कराया। उन्होंने कहा की गुरु रविदास जी ने हक हलाल की कमाई करने व कीरत, मेहनत करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा की आज हम स्वार्थ के कारण बीच में लटक रहे है। जो लोग आगे बढ़ गए उन्होंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा जिस समाज का अब तक सर्वांगिक विकास होना था वो नही हो पाया। उन्होंने कहा की इंसान को कोई नहीं मार सकता उसके द्वारा किए गए माड़े कर्मा मार देते हैं। तेनु तेरे माड़े कर्मा ने मारना, किसे ने तेनु की मारना' कोई चोर चोरी करता है तो एक दिन वो जरूर पकड़ में आ जाता है तो उसके द्वारा की गई सभी चोरियां सामने आ जाती हैं। इंसान इंसान से चोरी कर सकता है लेकिन प्रभु परमात्मा से नही छुप सकता। उन्होंने कहा की इंसान की मत मैली हो गई जिसे नाम की साबुन के साथ धोया जा सकता है, जो सिर्फ सतगुरु के पास मिलती है। आंखे बुरा देखती हैं इसकी दवाई डॉक्टर के पास नही मिलती, गुरु रविदास जी महाराज की बाणी को हृदय में बसाने आंखो की सफाई हो सकती है। गुरु रविदास जी ने हमे समानता, प्रेम सदभाव का रास्ता दिखाया है।

लंगर की सेवा मास्टर रमेश थाना, रघबीर सिंह, रोहतास सिंह एसडीओ गांव थाना, प्रिंसिपल रामकरण, प्रिंसिपल राजेंद्र द्वारा की गई। इस मौके धर्म सिंह क्रांति, अशोक सुनेहड़ी, रामनिवास मोहड़ी, मास्टर नफे सिंह, सुनील चमारा, सुनील मिर्जापुर, रमेश कुमार, राजेंद्र, जोगिंद्र भौरिया, सुनील दत्त, राजेंद्र हरि नगर, रोशन लाल, मिशनरी गायक राजबाला चुहड़ माजरा, बाला देवी, जोगिंद्रो देवी, सलिंद्रो, सुनीता, बबली सहित सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। अगला कीर्तन दरबार 12 मार्च दिन रविवार को सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

लोक गीत और संगीत को आमजन तक पहुंचाने के लिए कलाकारों को करना चाहिए डिजीटल मीडिया का प्रयोग: सैनी

अतिरिक्त निदेशक डा. कुलदीप सैनी ने जन संपर्क विभाग की 4 दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का किया शुभारंभ

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक डा. कुलदीप सैनी ने कहा कि लोक गीत और संगीत को आमजन तक पहुंचाने के लिए विभागीय लोक कलाकारों को डिजीटल मीडिया के मंच का अधिक से अधिक प्रयोग करने की जरूरत है। इस मंच के माध्यम से लोक कलाकार अपने गीत-संगीत के माध्यम से सरकार की योजनाओं को चंद सेकेंडों में ही दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचा सकते है। इसके लिए लोक कलाकार सबसे पहले जिला स्तर पर डीआईपीआरओ यूट्यूब चैनल का प्रयोग कर सकते है। अहम पहलू यह है कि आजादी के अमृत महोत्सव काल में महानिदेशक डा. अमित अग्रवाल के आदेशानुसार कार्यशाला का आयोजन 13 से 16 फरवरी तक किया जा रहा है।

अतिरिक्त निदेशक डा. कुलदीप सैनी सोमवार को आजादी के अमृत महोत्सव को समर्पित सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की तरफ से आयोजित 4 दिवसीय कार्यशाला के उदघाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इससे पहले अतिरिक्त निदेशक डा. कुलदीप सैनी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह, सेवानिवृत डीआईपीआरओ देवराज सिराहीवाल, एआईपीआरओ बलराम शर्मा ने रिब्बन काटकर तथा दीप प्रज्वलित करके विधिवत रुप से प्रदेश की ड्रामा पार्टी, आरसीटीओ विंग, अंबाला व हिसार मंडल के भजन पार्टी कलाकारों एवं खंड प्रचार कार्यकर्ताओं की 13 से 16 फरवरी तक चलने वाली कार्यशाला का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इस उद्घाटन सत्र में करनाल, हिसार के कलाकारों ने सरस्वती वंदना और करनाल के ड्रामा पार्टी के सदस्यों ने बेहतरीन स्वागत गीत की प्रस्तुति दी है।

अतिरिक्त निदेशक डा. कुलदीप सैनी ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभागीय कार्यशाला के माध्यम से नए गीत व नई धुन बनाने तथा सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने, कलाकारों को अप टू डेट करने का कार्य किया जाएगा। इस कार्यशाला में प्रयास किया जाएगा कि अच्छे गीत और बेहतरीन धुने तैयार की जाए, जिसे आमजन पसंद करे। उन्होंने कहा कि आने वाले एक साल में लोक कलाकारों को खुब मेहनत करनी होगी और सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना होगा। सरकार की तरफ से कलाकारों को हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है और कलाकारों की जो भी समस्याएं है, उनका नियमित रूप से सरकार द्वारा समाधान भी किया जा रहा है। इस कार्यशाला में कलाकारों को कुछ नया करने का प्रयास करना होगा, इसके लिए बेहतरीन विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। प्रोजेक्ट अधिकारी पवन कुमार ने कहा कि लोक कलाकारों को फील्ड में जाते समय निर्धारित वेशभूषा को धारण करना होगा, जब कलाकारों का लुकआउट एक अच्छी ड्रेस में होगा तो दूर से भी कलाकार की पहचान सहजता से हो सकेगी। यह कलाकार सरकार की इमेज है, इसलिए इसको बरकरार रखने की जिम्मेवारी भी लोक कलाकारों की है।

सेवानिवृत डीआईपीआरओ देवराज सिरोहीवाल ने दोपहर बाद के सत्र में सभी लोक कलाकारों को प्रैक्टिकल करवाया और मंच संचालन के साथ-साथ मंच पर अच्छी प्रस्तुति के तौर तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी मुहैया करवाई। इसके साथ ही लेखन विधि को बेहतर बनाने तथा सरकार की उपलब्धियों को शब्दों में पिरोकर अच्छे नाटक और गीत तैयार करने पर भी प्रकाश डाला। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह ने कार्यशाला के चार दिन के शेड्यूल पर प्रकाश डालते हुए मेहमानों का स्वागत किया। एआईपीआरओ बलराम शर्मा ने मेहमानों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर डीआई विजय कुमार, हरियाणा कला परिषद से धर्मपाल, विकास आदि उपस्थित थे।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगंरा प्रिटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311